भोपाल से प्रकाशित और छत्तीसगढ़ उत्तर प्रदेश व राजस्थान से प्रसारित

RNI No. MPHIN/2016/67534

दैनिक

रुद्रांश दर्पण

संपादक : अंतरिक्ष पवार

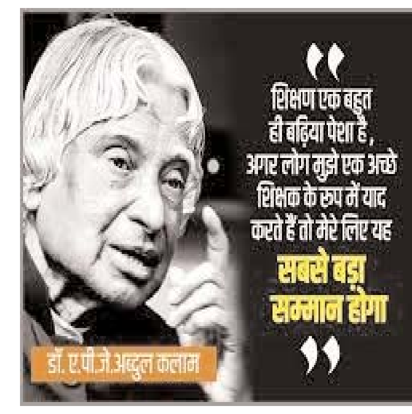

वर्ष-7, अंक-149 | शुक्रवार,17, नवंबर, 2023 | पृष्ठ-8 मूल्य-2 रु.

रांची में पीएम मोदी ने बच्चों को दिखाया मैजिक:

गवर्नर हाउस में फैंस से की मुलाकात, ऑफिशियल यूट्यूब पर शेयर किया वीडियो

रुद्रांश दर्पण-रांची, झारखंड।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के झारखंड दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने 15 नवंबर को रांची के गर्वनर हाउस में बच्चों के साथ कुछ समय बिताया। जिसका वीडियो भी उन्होंने अपने ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर शेयर किया। वीडियो में पीएम मोदी बच्चों के साथ मैजिक करते हुए नजर आए। प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद नन्हें बच्चों के चेहरों पर मुस्कान देखी गई।

पहली बार गंगा में 51 बजड़ों पर सजी चित्रगुप्त की शोभायात्रा

अस्सी का किनारा और मां गंगा की गोद...। 51 सजे-धजे बजड़ों पर सजीं झांकियां...। 21 फीट की भगवान चित्रगुप्त की प्रतिमा और गंगा आरती का विहंगम नजारा...। बुधवार को चित्रगुप्त जयंती पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की ओर से निकली श्री चित्रगुप्त महाराज की भव्य शोभायात्रा जन-जन के लिए अविस्मरणीय बन गई। बुधवार की शाम को महापूजनोत्सव की शुरूआत भगवान चित्रगुप्त महाराज की 21 फीट की ऊंची प्रतिमा के पूजन-अर्चन और महाआरती से हुई। मां गंगा की आरती उतारने के बाद एक-एक करके 51 बजड़ों ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद घाट के लिए प्रस्थान किया। इस अवसर पर विश्व में पहली बार बुद्धि, विवेक और ज्ञान के प्रदाता व लेखनी के आराध्य देव भगवान श्री चित्रगुप्त महाराज पर आधारित नाट्य का मंचन आकर्षण का केंद्र रहा। इसमें गंगापुत्र भीष्म के ब्रह्मा जी के मानस पुत्र ऋषि पुलस्त्य से संवाद में भगवान श्री चित्रगुप्त

महाराज की महिमा और पूजन का मंचन कलाकारों ने किया। इसके साथ शिव तांडव स्तोत्र, श्री राधा कृष्ण नृत्य नाट्य का मंचन भी हुआ। शोभायात्रा का घाटों पर समाज के लोगों व श्रद्धालुओं ने फूल बरसाकर स्वागत किया। शोभायात्रा के डॉ. राजेंद्र प्रसाद घाट पर पहुंचने पर मुख्य अतिथि और महासभा के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भारत के प्रथम राष्ट्रपति, भारत रत्न स्व. डॉ. राजेंद्र प्रसाद की मूर्ति पर माल्यार्पण कर नमन किया। भगवान

चित्रगुप्त की भक्ति और शिक्षा को करें आत्मसात

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि व महासभा के राष्ट्रीय संरक्षक महेश चंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि यह आज हम सबका सौभाग्य है कि भगवान चित्रगुप्त की पूजा कर पुण्य अर्जित कर रहे हैं। भगवान चित्रगुप्त न्यायब्रह्म हैं। पुण्य और पाप के निष्पक्ष विचारक ही नहीं, फल निश्चित करने वाले शक्तिमान परमेश्वर हैं। वे सनातन धर्म के स्वरूप हैं। इस दौरान स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि हमारे कर्मों का लेखा जोखा केवल एक पौराणिक इकाई नहीं है, बल्कि एक गहन आदर्श है जो मानवीय अनुभव के साथ प्रतिध्वनित होता है। आत्म-चिंतन की भावना से, हम सबको भगवान चित्रगुप्त जी की भक्ति और शिक्षाओं को अपनाकर सत्य, निष्ठा, करुणापूर्ण जीवन जीने का प्रयास करना चाहिए।

सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से मिली रोमांचक हार मैच के बाद द. अफ्रीकी कप्तान ने बताया दिल का हाल

रुद्रांश दर्पण- कोलकाता।

दक्षिण अफ्रीकएक बार फिर वर्ल्ड कप फाइनल खेलने का सपना पूरा नहीं कर पाई. सेमीफाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने उसे रोमांचक अंदाज में तीन विकेट से पीट दिया. पहली पारी में उस पर मौसम और ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने कहर बरपाया. फिर दूसरी पारी में ट्रेविस हेड ने उन्हें शुरूआत में ही सबसे ज्यादा नुकसान दे डाला. इन सब के बावजूद प्रोटियाज टीम ने आखिरी तक टक्कर दी लेकिन उसे यह मुकाबला गंवाना ही पड़ा. दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मिलर की शतक की बदौलत 212 रन बनाए थे. जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 48वें ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया. इस करीबी शिकस्त के बाद दक्षिण अफ्रीकी कप्तान तेम्बा बवुमा निराश नजर आए. मैच के बाद उन्होंने क्या कुछ कहा ?

'दोनों पारियों में हमारी शुरूआत टर्निंग पॉइंट रही': बवुमा ने कहा, 'इस मैच से जुड़ी चीजों को फिलहाल शब्दों में बयां करना मुश्किल है. ऑस्ट्रेलिया को बधाई देता हूं. फाइनल के

लिए उन्हें ऑल दी बेस्ट. वे इस मुकाबले में ज्यादातर समय तक हावी रहे. वे इस जीत के काबिल थे. यह एक डॉग फ्लफाइट थी. आखिरी तक हार न मानने का हमारा कैरेक्टर सामने आया. लेकिन दोनों पारियों की शुरूआत में हमने जो प्रदर्शन किया वह बहुत खराब था और वही मैच का टर्निंग पॉइंट भी था.' मौसम की विषमताओं पर क्या बोले बवुमा?: बवुमा ने कहा, 'मौसम और विपक्षी गेंदबाजी आक्रमण भयावह थे. हमने इन दोनों से लड़ने की कोशिश की लेकिन वे दबाव बनाने में कामयाब रहे. एक वक्त हम मोमेंटम हासिल कर रहे थे लेकिन क्लासेन आउट हो गए. वह आखिरी में विध्वंसक साबित हो सकते थे. हालांकि डेविड मिलर ने बताया कि एक खिलाड़ी के तौर पर वह क्या कुछ कर सकते हैं.'अपने गेंदबाजों के लिए क्या कुछ कहा?: बवुमा ने कहा, 'हमें शुरूआत में अच्छी गेंदबाजी करनी चाहिए थी. हालांकि बाद में हमने वापसी की. शम्सी लाजवाब रहे. हमने अच्छी टक्कर दी लेकिन बहुत कुछ सही करने की जरूरत थी. हमें कुछ मुश्किल मौके मिले लेकिन हमने वे गंवा दिए. कोएत्जी युवा लड़ाके हैं. स्मिथ का विकेट लेकर उन्होंने हमें मैच में बनाए रखा.

मप्र वि.स. चुनाव: आज सुबह 7 से शाम 6 बजे तक होगा मतदान

भोपाल । मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 के लिए शुक्रवार, 17 नवंबर को एक ही चरण में सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान प्रक्रिया सम्पन्न कराई जाएगी। प्रदेश के बालाघाट, मंडला और डिंडोरी जिलों के कुछ विधानसभा क्षेत्रों में सुबह 7 से दोपहर 3 बजे तक ही मतदान होगा। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं। यह जानकारी प्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने मतदान की तैयारियों के संबंध में गुरुवार को निर्वाचन सदन में हुई पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि मतदान शुरू होने के डेढ़ घंटे पहले सुबह 5:30 बजे से मॉकपोल की प्रक्रिया प्रारंभ होगी। यह प्रक्रिया अभ्यर्थी या उसके अधिकृत एजेन्ट की उपस्थिति में होगी। यदि कोई अभ्यर्थी या उसका एजेन्ट 5:30 बजे मतदान केन्द्र पर उपस्थित नहीं होता है, तो 15 मिनट तक उसका इंतजार किया जाएगा। इसके

बाद मतदान दलों और अन्य सदस्यों की उपस्थिति में मॉकपोल की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। न्यूनतम 50 वोट से मॉकपोल किये जाने का प्रावधान है, जिसमें नोटा भी शामिल होगा। राजन ने बताया कि प्रदेश में मतदान के लिए कुल 64,626 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं, जिनमें 64,523 मुख्य तथा 103 सहायक मतदान केन्द्र शामिल हैं। गुरुवार को जिला मुख्यालयों से मतदान सामग्री लेकर मतदान दल पोलिंग बूथों के लिए रवाना हुए और देर शाम तक सभी दल निर्धारित मतदान केन्द्रों पर पहुंच गए हैं। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश में 230 सीटों पर होने जा रहे चुनाव के लिए 2533 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। वहीं, प्रदेश में पांच करोड़ 59 लाख 83 हजार 139 मतदाता शुक्रवार को मतदान प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे। इनमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 2 करोड़ 87 लाख 82 हजार 261, महिला मतदाताओं की संख्या 2 करोड़ 71 लाख 99 हजार 586 है। थर्ड जेंडर मतदाता 1292 है। मतदान सुबह 7 से शाम 6 बजे तक होगा जबकि नक्सल प्रभावित 3 जिले मंडला, बालाघाट और डिंडोरी में मतदान सुबह 7 से तीन बजे तक किया जा सकेगा। इसके लिए ऑल सेट है। मोबाइल एप पर हर दो घंटे में मतदान प्रतिशत की जानकारी दी जाएगी। वोटर आईडी और मतदाता पर्ची के बिना भी वोट डाला जा सकेगा। इसके लिए वोटर लिस्ट और पहचान पत्र होना अनिवार्य रहेगा। संवेदनशील मतदान केंद्रों के बाहर कैमरे लगाए गए हैं। अप्रिय घटना से निपटने के लिए एयर एंबुलेंस और हेलीकॉप्टर भी तैयार रहेंगे। ईवीएम का परिवहन करने वाले सभी वाहनों में जीपीएस रहेगा। सोशल मीडिया पर चुनाव प्रचार और गाइडलाइंस पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजन ने बताया कि सायलेंस पीरियड में सोशल मीडिया पर चुनाव प्रचार पूरी तरह प्रतिबंधित है। इसके बाद भी कोई सोशल मीडिया की गाइडलाइन का उल्लंघन करता है तो शिकायत मिलने पर उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर चुनाव प्रचार को आचार संहिता का उल्लंघन माना जाएगा।

भारत के फाइनल में पहुंचने पर हुआ हवन:चौथी बार फाइनल में पहुंची

भारत ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को 70 रन से हराकर वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बना ली है। भारतीय टीम चौथी बार फाइनल में पहुंची है। भारत के आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचने पर अखिल भारतीय शिवसेना-राष्ट्रवादी ने हवन किया। इससे पहले टीम 1983, 2003 और 2011 में इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थी।

भारत स्कूल टीचर्स ट्रेनिंग पर सालाना 83 अरब खर्च करे:

नारायण मूर्ति बोले- इसके लिए दुनिया से बेहद काबिल 10 हजार रिटायर्ड टीचर बुलाने होंगे

रुद्रांश दर्पण- बेंगलुरु

इंफोसिस के को-फाउंडर एनआर नारायणमूर्ति ने बुधवार 15 नवंबर को कहा कि भारत को स्कूल टीचर्स की ट्रेनिंग पर सालाना एक अरब डॉलर (करीब 83 अरब रुपए) खर्च करने चाहिए। इसके लिए दुनियाभर से बहुत काबिल 10 हजार रिटायर्ड टीचर्स बुलाने होंगे।

नारायण मूर्ति के मुताबिक, इससे 2500 ट्रेन द टीचर्स कॉलेज खोलने होंगे, ताकि हमारे टीचर्स साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथमेटिक्स (रळएट) में बेहतर तरीके से ट्रेंड हो सकें। चार टीचर्स का सेट एक साल में 100 प्राइमरी और 100 सेकेंडरी टीचर्स को ट्रेनिंग दे सकता है। इस प्रक्रिया से सालाना 2.5 लाख प्राइमरी और 2.5 लाख सेकेंडरी के ट्रेंड टीचर्स मिलेंगे।

सुझावों का स्वागत है- नारायण मूर्ति

भारत में तरह-तरह के सुझाव आते हैं और मुझे यकीन है कि हमारे पास एक्सपर्ट्स का एक समूह है जो उन सुझावों का एनालिसिस करेगा। यदि यह सार्थक पाया गया तो वे इसे आगे बढ़ा सकते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि इन सभी सुझावों का स्वागत किया जाना चाहिए, जब तक कि ये देश की भलाई की भावना से दिए गए हों।

इंफोसिस के एक अन्य को-फाउंडर और फाउंडेशन के ट्रस्टी बोर्ड के अध्यक्ष एस गोपालकृष्णन ने कहा- जैसे-जैसे हमारी GDP बढ़ती है, हमें कुछ अलग करने की जरूरत है। हम एक ही रास्ते पर चलकर तरक्की नहीं कर सकते।

मूर्ति ने यह भी कहा कि हालांकि यह कोर्स ही काफी नहीं होगा। यह ट्रेनिंग प्रोग्राम एक साल का होना चाहिए। इंफोसिस फाउंडर ने ये बातें बेंगलुरु में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहीं।

MP-राजस्थान समेत कई राज्यों में ठंड बढ़ी:दिल्ली में न्यूनतम तापमान 11.3 डिग्री; माउंट आबू में पारा 6 डिग्री पहुंचा

रुद्रांश दर्पण- नई दिल्ली

पहाड़ी राज्यों पर बर्फबारी से दिल्ली, मध्य प्रदेश, राजस्थान सहित कई राज्यों में ठंड बढ़ गई है। गुरुवार 16 नवंबर सुबह दिल्ली का न्यूनतम तापमान 11.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से दो डिग्री कम है।

राजस्थान के जयपुर में न्यूनतम तापमान 13.8 डिग्री सेल्सियस रहा। बुधवार 15 नवंबर की रात माउंट आबू में पारा 6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था। सीकर में 7.5 और चूरू में 9.4 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

मध्य प्रदेश के भोपाल में पिछले 5 दिन के दौरान तापमान में 4.4 डिग्री की गिरावट आई। गुरुवार को भोपाल का न्यूनतम

तापमान 15 डिग्री रहा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक नवंबर के आखिरी हफ्ते तक उत्तर भारत के राज्यों में ठंड और बढ़ेगी।

दूसरी तरफ कटऊ ने केरल, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और नगालैंड में गुरुवार को बारिश का अलर्ट जारी किया। प्राइवेट वेदर एजेंसी स्काईमेट ने शुक्रवार दोपहर तक तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में भारी बारिश की संभावना जताई है।

तापमान गिरने से दिल्ली में प्रदूषण से राहत नहीं

दिल्ली में दीपावली के बाद प्रदूषण की स्थिति बेहद गंभीर हो गई है। गुरुवार को लगातार चौथे दिन कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (अदक) 400 के पार हो गया। सुबह 7 बजे दिल्ली के बवाना में अदक 442, जहांगीरपुरी में 441, आनंद विहार में 412, कळड में 412 और कऋक एयरपोर्ट के पास 401 रिकॉर्ड किया गया।

बुधवार (15 नवंबर) को पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने प्रदूषण को लेकर कहा था कि हवा की स्पीड कम हो गई है।

दिल्ली की केजरीवाल सरकार 21-22 नवंबर को दिल्ली में पहली बार आर्टिफिशियल बारिश का प्लान तैयार कर रही थी। इसके लिए पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने 8 नवंबर को ककळ कानपुर के वैज्ञानिकों के साथ बैठक की थी। इस बीच 9-10 नवंबर को बारिश हो गई। इससे प्रदूषण का स्तर 50 फीसदी कम हो गया था।

तापमान में भी गिरावट हुई है। ऐसे में दीपावली पर पटाखों से जो प्रदूषण फैला था, वह आसमान में बना हुआ है। अगले दो-तीन दिनों तक प्रदूषण की स्थिति ऐसी ही रहेगी। इसके बाद ऑड-ईवन या कृत्रिम बारिश कराने पर विचार किया जाएगा।

राजस्थान में बीजेपी ने अपना घोषणापत्र किया जारी:

किसानों को 0% ब्याज पर लोन, सभी गरीब परिवारों की छात्राओं की केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा

रुद्रांश दर्पण-जयपुर

विधानसभा चुनावों को लेकर बीजेपी ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है।

भाजपा ने वादा किया है कि गेहूं की फसल 2700 रुपए प्रति क्विंटल खरीदी जाएगी। इसके साथ ही जिन किसानों की जमीन कुर्क हो गई है, उन्हें मुआवजा देने के लिए एक कमेटी बनवाई जाएगी। महिलाओं की सुरक्षा के लिए हर शहर में एंटी रोमियो फोर्स तैयार करवाई जाएगी और हर थाने में एक महिला डेस्क बनाई जाएगी।

वहीं मेरिट में आने वाली छात्राओं को 12वीं के बाद फ्री स्कूटी दी जाएगी। इसके साथ ही भाजपा ने पांच साल में ढाई लाख लोगों को सरकारी नौकरी देने का वादा किया है। भाजपा ने एफउ-ढ को पूरा करने का वादा भी किया है, अब तक कांग्रेस सरकार एफउढ को लेकर भाजपा पर हमलावर थी।

लाडो प्रोत्साहन योजना--

इसमें 2 लाख रुपए का सेविंग बॉन्ड हर नवजात बेटी को दिया जाएगा। इसमें छठी क्लास में 6 हजार रुपए, नौवीं क्लास में 8 हजार रुपए, 10वीं क्लास में 10 हजार में, 12वीं क्लास में 14 हजार रुपए, प्रोफेशनल पढ़ाई के लिए 50 हजार रुपए और 21 साल की होने पर 1 लाख रुपए अकाउंट में डिपोजिट होगा। यह योजना मप्र की लाडली लक्ष्मी योजना की तर्ज पर शुरू की जाएगी।

किसानों को 0 प्रतिशत ब्याज पर लोन देंगे

- जमाखोरी व कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे और इसे रोकने के लिए हेल्प लाइन नंबर के साथ फर्टिलाइजर डिस्ट्रीब्यूशन रेगुलेटरी टास्क फोर्स का गठन करेंगे।
- किसानों को 0% ब्याज दर पर अगले 5 सालों में 1 लाख करोड़ का लोन प्रदान करेंगे।
- खेती के लिए रोजाना 8 घंटे की निरंतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करेंगे।
- प्रत्येक जिले में एक 100% जैविक कृषि ब्लॉक की स्थापना करेंगे।
- गौ संवर्धन योजना शुरू कर किसानों से गौ-मूत्र और गोबर खरीदने की व्यवस्था करेंगे।
- चना, मूंग और उड़द जैसी दालों को एमएसपी पर खरीदने के लक्ष्य को दोगुना करेंगे।
- एमएसपी पर सरसों, मूंगफली और सोयाबीन की खरीद की व्यवस्था करेंगे।

महिलाओं को 450 में सिलेंडर, छात्राओं की मुफ्त शिक्षा

- सभी गरीब परिवारों की छात्राओं की केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा
- मुख्यमंत्री फ्री स्कूटी योजना में 12वीं पास करने वाली मेधावी छात्राओं को मुफ्त स्कूटी दी जाएगी।
- लखपती दीदी योजना के तहत 6 लाख से ज्यादा ग्रामीण महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर वार्षिक आय कम से कम 1 लाख रुपए सुनिश्चित करेंगे।
- राजस्थान सशस्त्र बल के तहत 3 महिला पुलिस बटालियन पद्मिनी, काली बाई और अमृता देवी शुरू करेंगे।
- सभी गरीब परिवारों की महिलाओं को 450 रुपए में एलपीजी गैस सिलेंडर दिया जाएगा।
- पीएम मातृ वंदना योजना के तहत वित्तीय सहायता 5 हजार से बढ़ाकर 8 हजार करेंगे।
- वरिष्ठ नागरिक व दिव्यांगजनों की पेंशन बढ़ाकर 1500 रुपए प्रतिमाह की जाएगी।

निर्धारित गाइडलाइन एवं दिशा निर्देशों के अनुसार संपादित हो मतदान कार्य : यादव

रुद्रांश दर्पण-चूरू

सामान्य पर्यवेक्षक अनिता यादव ने किया होम वोटिंग, स्ट्रॉग रूम, ईवीएम कमिशनिंग तथा मतदान दलों के द्वितीय प्रशिक्षण का निरीक्षण

विधानसभा आम चुनाव के दौरान जिले के सुजानगढ़ एवं रतनगढ़ के लिए नियुक्त सामान्य पर्यवेक्षक अनिता यादव ने गुरुवार को सुजानगढ़ एवं रतनगढ़ में होम वोटिंग, स्ट्रॉग रूम,ईवीएम कमिशनिंग तथा मतदान दलों के द्वितीय प्रशिक्षण का निरीक्षण कर निर्देश दिए।

स्ट्रॉग रूम, ईवीएम कमिशनिंग एवं मतदान दलों के द्वितीय प्रशिक्षण का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

पर्यवेक्षक अनिता यादव ने सुजानगढ़ के राजकीय रघुनाथ राय जाजोदिया उच्च माध्यमिक विद्यालय तथा रतनगढ़ के रघुनाथ सीनियर सैकण्डरी स्कूल में स्ट्रॉग रूम एवं ईवीएम कमिशनिंग का निरीक्षण कर निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध एवं नियमित रहे तथा चुनाव संबंधी सभी प्रशिक्षण, ईवीएम कमिशनिंग और पोस्टल बैलेट का काम चेकलिस्ट के अनुसार समय पर किया जाना सुनिश्चित हो। रिटर्निंग अधिकारी सुनिश्चित करें कि होम वोटिंग से मतदान का काम निर्धारित गाइडलाइन एवं दिशा निर्देशों के अनुसार संपादित किया जाए तथा प्रयासर हे कि कोई मतदाता न छूटे। इसीके साथ सुजानगढ़ के रतन देवी सेठिया स्कूल तथा रतनगढ़ के केसरी देवी लोहिया महाविद्यालय में मतदान दलों के द्वितीय प्रशिक्षण का अवलोकन कर निर्देश दिए कि मतदान दलों को प्रशिक्षण में मतदान कार्य संबंधी समस्त जानकारी देते हुए मतदान दलों के संशयों का निवारण किया जाए। मतदान दलों को उनके दायित्वों के संबंध में किसी भी प्रकार का संशय न रहे।

रतनगढ में निरीक्षण के दौरान सुजानगढ़ अतिरिक्त जिला कलक्टर भागीरथ साख, रतनगढ़ रिटर्निंग अधिकारी अभिलाषा, सुजानगढ़ प्रशिक्षण स्थल पर डॉ सरदार सिंह रेवाड़, एएलएमटी प्रकाश कुमार, अमित कुमार, पप्पूराम मीणा, सुरेश कुमार, महेन्द्र कुमार, जितेंन्द्र कुमार, नरेश कुमार, सालासर नायब तहसीलदार अमरसिंह, कैलाशचन्द्र,हेमलता शर्मा उपस्थित रहे।

होम वोटिंग की सुविधा प्राप्त करने वाले मतदाता रफीक खान से जाने अनुभव

सामान्य पर्यवेक्षक अनिता यादव ने सुजानगढ़ के शहरी क्षेत्र में होम वोटिंग की सुविधा लेने वाले वृद्ध आयु मतदाता रफीक खान से मतदान अनुभव जाने। मतदाता रफीक खान ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 80 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं के लिए सराहनीय सुविधा उपलब्ध करवाई गई है।वृद्धायु होने के कारण मतदान केन्द्र तक आवागमन में होने वाली परेशानी दूर हुई है,साथ ही सरल भी है।इस दौरान रिटर्निंग अधिकारी रमेश कुमार, बीदासर एसडीएम अनिता धेतरवाल, लाइजनिंग अधिकारी प्रमोद सिंह शेखावत, सुजानगढ तहसीलदार कुलदीप भाटी, बीदासर तहसीलदार मुकेश सिहाग सहित अन्य उपस्थित रहे।

मतदान दिवस पर संवैतनिक अवकाश देय होगा

विधानसभा आम चुनाव-2023 के मद्देनजर मतदान दिवस शनिवार, 25 नवंबर को निजी व सार्वजनिक प्रतिष्ठानों, दुकान, औद्योगिक उपक्रम या कारोबार व व्यवसाय में कार्यरत कामगार कर्मचारियों को संवैतनिक अवकाश देय होगा।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी (अतिरिक्त जिला कलक्टर) नरेश कुमार मालव ने बताया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 135(ख) के प्रावधान अनुसार किसी कारोबार, व्यवसाय, औद्योगिक उपक्रम अथवा अन्य किसी स्थापन में नियोजित प्रत्येक व्यक्ति को, जो लोक सभा या किसी राज्य की विधानसभा के लिए निर्वाचन में मतदान करने का हकदार है, मतदान के दिन उनका अवकाश मंजूर किया जायेगा। उपधारा (1) के अनुसार अवकाश मंजूर किये जाने पर किसी ऐसे व्यक्ति की मजदूरी से कोई कटौती या कोई कमी नहीं की जायेगी। यदि कोई नियोजक उपबंधों का उल्लघंन करेगा तो ऐसे नियोजक पर 500 रूपयों तक का जुमार्ना दण्डनीय होगा।

सतरंगी सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन

रुद्रांश दर्पण-धौलपुर

धौलपुर जिले में राज्य निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार समस्त विधानसभा क्षेत्र में लोकतंत्र सतरंगी सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन कल गुरूवार को किया गया। जिसमें ट्रांसजेंडर समुदाय एवं गाड़िया लोहार समुदाय के बीच जाकर नाच गान लोक नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया गयाकार्यक्रम में सामाजिक न्याय अधिकारी का विभाग के कर्मियों द्वारा गाड़िया लोहार की बस्ती में जाकर हम भी नाचेंगे गाएंगे वोट डालकर जरूर आएंगे की थीम पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सामान्य पर्यवेक्षकों ने क्रिटिकल मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण अधिकारियों को दिये आवश्यक निर्देश

रुद्रांश दर्पण-धौलपुर

विधानसभा धौलपुर एवं राजाखेड़ा के लिए नियुक्त सामान्य पर्यवेक्षक भोस्कर विलास संदीपन द्वारा राजाखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत एसएसटी चेकपोस्ट जाटोली तथा इन्द्रावली पर निरीक्षण किया एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने अजीतपुरा में 80 वर्ष से अधिक एवं दिव्यांग मतदाताओं द्वारा किये जा रहे होम वोटिंग व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों की होम वोटिंग में सम्मान और गोपनीयता के साथ मतदान कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों की होम वोटिंग भारत निर्वाचन आयोग का एक नवाचार है, इसमें सभी दिव्यांगों एवं वरिष्ठ नागरिकों से समुचित प्रक्रिया का पालन करते हुए मतदान संपन्न करवाया जाना है। इसमें मतदान दलों एवं चिन्हित मतदाताओं का सहयोग करें और इस प्रकार मतदाताओं से पहले ही संपर्क करें कि कोई मतदाता मतदान से वंचित नहीं रहे।

राजाखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के क्रिटिकल मतदान केंद्र नागर के दोनों बूथों पर आवश्यक व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिये।

उन्होंने उच्च अंग्रेजी माध्यम विद्यालय राजाखेड़ा पर महिलाओं कार्मिकों द्वारा संचालित होने वाले दो मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया साथ ही रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय का भी निरीक्षण किया।

विधानसभा क्षेत्र बाड़ी, बसेडी के लिए नियुक्त सामान्य पर्यवेक्षक इंद्रेश्वर कलिता द्वारा बाडी विधानसभा क्षेत्र के पोलिंग बूथ बिजौली का निरीक्षण कर चुनाव मतदान की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने बाड़ी विधानसभा क्षेत्र के अतिसंवेदनशील मतदान केन्द्र संख्या 191 मदरसा मोहम्मदिया अहले हदीस, गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल बाडी का निरीक्षण कर मतदान व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय स्थित विधानसभा क्षेत्र बाडी एवं बसेड़ी हेतु ईवीएम कमिशनिंग स्थल का निरीक्षण संबंधित रिटर्निंग अधिकारी की उपस्थिति में किया गया। इसके अतिरिक्त व्यव पर्यवेक्षक प्रदीप कुमार बिस्वास ने धौलपुर तथा राजाखेड़ा के लेखा रजिस्टर्स का निरीक्षण किया

मतदान जागरूकता कार्यक्रम के तहत सतरंगी सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन

रुद्रांश दर्पण-सीकर

श्रीमाधोपुर में रिटर्निंग अधिकारी के नेतृत्व में मतदान जागरूकता कार्यक्रम के तहत सतरंगी सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन गुरूवार को महिला अधिकारिता विभाग श्रीमाधोपुर की विभिन्न ग्राम पंचायतों में ब्लॉक पर्यवेक्षक रीना चाहर ने थीम बेस्ड गतिविधियों का आयोजन करवाया गया। जिसमें लोक नृत्यों के माध्यम से पीवीटीजी, विमुक्त और घुमंतू वर्ग के मतदाताओं को जागरूक किया गया। जिसका थीम रंग वायलेट और स्लोगन 'हम भी नाचेंगे -गायेंगे, वोट डालकर आएंगे' रहा गतिविधियों का आयोजन ब्लॉक की सभी ग्राम पंचायतों में विभाग की ब्लॉक प्रभारी के निर्देशन में ग्राम साथिनो द्वारा पीवीटीजी, विमुक्त और घुमंतू वर्ग के मतदाताओं को जागरूक किया गया।

मतदान कार्मिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया नवाचार

मतदान कर्मियो को दिलाया प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण

रुद्रांश दर्पण-धौलपुर

विधानसभा आम चुनाव को शान्तिपूर्ण ढंग से पूर्ण संपन्न कराने के लिए निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है, साथ ही मतदान दलों को द्वितीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत जिला निर्वाचन अधिकारी अनिल कुमार अग्रवाल के निर्देशन एक जीवन रक्षक सीपीआर नवाचार के अंतर्गत विधानसभा चुनाव के लिए मतदान अधिकारियों के प्रशिक्षण शिविर में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी धौलपुर के सौजन्य से मतदान प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कार्मिकों को आकस्मिक दुर्घटना में जनहानि को रोकने के लिए प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण दिया गया।

जीवन रक्षक सीपीआर प्रशिक्षण के माध्यम से डॉ प्रज्ञा दीप वर्मा ने मतदान स्थल पर किसी के अचानक बेहोश होने पर व्यक्ति को होश में लाने एवं सर्दियों का मौसम होने के कारण हार्ट अटैक की संभावना में सीपीआर आदि प्राथमिक उपचार के माध्यम से जनहानि को रोकने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 650 से अधिक मतदान कार्मिकों ने भाग लिया। मतदान कर्मियों ने जिला निर्वाचन अधिकारी के जीवन रक्षक अनोखे नवाचारी प्रशिक्षण की सराहना की और उत्साह के साथ प्रशिक्षण लिया।

जानें क्या है सीपीआर-

सीपीआर एक आपातकालीन स्थिति में प्रयोग की जाने वाली प्रक्रिया है जो किसी व्यक्ति की धड़कन या सांस रुक जाने पर प्रयोग की जाती है। सीपीआर में बेहोश व्यक्ति को सांसें दी जाती हैं, जिससे फेफड़ों को ऑक्सीजन मिलती है और साँस वापस आने तक या दिल की धड़कन सामान्य होने तक छाती को दबाया जाता है जिससे शरीर में पहले से मौजूद ऑक्सीजन वाला खून संचारित होता रहता है। हार्ट अटैक, कार्डियक अरेस्ट, डूबना, सांस घुटना और करंट लगना जैसी स्थितियों में सीपीआर की आवश्यकता हो सकती है।

इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी महेश मंगल, दामोदर लाल मीणा,रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव संजीव श्रीवास्तव, अतुल चौहान आदि मौजूद थे

डूंगरपुर-चित्तौड़गढ़ में प्रियंका गांधी की सभा आज :पांचों विधानसभाओं के प्रत्याशी रहेंगे मौजूद, रैली के बहाने बढ़त बनाने की कोशिश

रुद्रांश दर्पण-चित्तौड़गढ़/डूंगरपुर

कांग्रेस की राष्ट्रीय नेता प्रियंका गांधी आज डूंगरपुर और चित्तौड़गढ़ दौर पर है। वे पहले दोपहर साढ़े 12 बजे विशेष हेलिकॉप्टर से सागवाड़ा हेलीपेड पर पहुंचेगी। यहां सभा को संबोधित करने के बाद चित्तौड़गढ़ के लिए रवाना होगी। प्रियंका गांधी के साथ मुख्यमंत्री अशोक गहलोत समेत कांग्रेस के कई बड़े नेता साथ होंगे।

सागवाड़ा में करेगी सभा को संबोधित

प्रियंका गांधी की पहले डूंगरपुर जिले के सांगवाड़ा आएगी। यहां सभा के जरिए आदिवासी बहुल क्षेत्र में कांग्रेस से खिसका जनाधार फिर से साधने का प्रयास किया जाएगा। कांग्रेस डूंगरपुर की 4, बांसवाड़ा की 5, प्रतापगढ़ जिले की 2 ओर उदयपुर जिले की 8 विधानसभा सीटो को जीतने के लिए पूरा जोर लगाएगी।

चित्तौड़गढ़ में दोपहर करीब 3 बजे सभा

डूंगरपुर के बाद प्रियंका गांधी सीधे चित्तौड़गढ़ के लिए रवाना हो जाएगी। उनका करीब दोपहर 2:40 मिनट पर चित्तौड़गढ़ आने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। इसके लिए इंदिरा गांधी स्टेडियम में तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी है। सभा में पांचों विधानसभाओं के प्रत्याशी अपने-अपने समर्थकों के साथ आएंगे। इससे पहले पूर्व के दोनों चुनावों (साल 2013 और साल 2018) में राहुल गांधी प्रचार के लिए चित्तौड़गढ़ आए थे, लेकिन दोनों चुनावों में चित्तौड़गढ़, बड़ीसादड़ी और कपासन विधानसभा में कांग्रेस को हार मिली।

रैली के बहाने चित्तौड़गढ़ में बढ़त बनाने की कोशिश

चित्तौड़गढ़ विधानसभा से कांग्रेस के प्रत्याशी सुरेंद्र सिंह जाड़ावत ने बताया कि प्रियंका गांधी पहली बार चित्तौड़गढ़ स्टार प्रचारक के रूप में आएंगी। इससे पहले गांधी परिवार के सभी सदस्य चित्तौड़गढ़ आ चुके है लेकिन जवाहर लाल नेहरू और राजीव गांधी चुनावी प्रचार-प्रसार के लिए नहीं आए थे। प्रियंका कांग्रेस के पांचों प्रत्याशियों के समर्थन में आमसभा को संबोधित करेंगी। इस दौरान उनके साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी होंगे। प्रियंका की रैली के बहाने कांग्रेस चित्तौड़गढ़ में बढ़त बनाने की कोशिश करेगी।

मां-दादी ने दिया था इंदिरा गांधी स्टेडियम में संबोधन

जाड़ावत ने बताया कि 17 नवंबर को डूंगरपुर, सागवाड़ा सभा करने के बाद प्रियंका गांधी वाड्रा चित्तौड़गढ़ आएंगी। यहां कांग्रेस के प्रत्याशियों के समर्थन में चुनावी रैली का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रियंका गांधी आमजन को संबोधित करेंगी। इस दौरान राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी साथ होंगे। उन्होंने बताया कि प्रियंका गांधी पहली बार चित्तौड़गढ़ आएगी। लेकिन इससे पहले उनकी दादी इंदिरा गांधी, मां सोनिया गांधी और भाई राहुल गांधी चुनावी प्रचार प्रसार के लिए आ चुके है। तीनों ने ही यहां इंदिरा गांधी स्टेडियम में आमजन को संबोधित किया था।

सभास्थल का निरीक्षण करते हुए अधिकारी और सभापति।

दो बार आए राहुल गांधी, दोनों बार हारे चित्तौड़गढ़ विधानसभा

साल 1979 में लोकसभा चुनाव में पहली बार इंदिरा गांधी कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार करने आई थी। 1979 के लोकसभा चुनाव में निर्मला कुमारी शक्तावत ने जीत हासिल की थी। उसके बाद 1998 में सोनिया गांधी विधानसभा चुनाव स्टार प्रचारक के रूप में चित्तौड़गढ़ आई थी। उस समय 5 सीटों में से चार सीटें कांग्रेस ने जीती थी। इसके बाद राहुल गांधी भी साल 2013 और 2018 में विधानसभा चुनाव के प्रचार प्रसार के लिए आ चुके है। 2013 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पांचों सीट हार चुकी थी और 2018 के चुनाव में पांच में से तीन सीटों में हार मिली थी। इसके अलावा दोनों बार ही चित्तौड़गढ़ विधानसभा से प्रत्याशी रहे सुरेंद्र सिंह जाड़ावत को हार का सामना करना पड़ा। इस बार कांग्रेस ने राहुल गांधी की जगह प्रियंका गांधी पर दांव लगाया है। इस बार कांग्रेस का मुख्य फोकस पांचों विधानसभा में सबसे ज्यादा चित्तौड़गढ़, बड़ीसादड़ी, और कपासन विधानसभाओं पर रहेगी। यहां कांग्रेस को लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है। अब देखना है कि प्रियंका गांधी के प्रचार प्रसार से चित्तौड़गढ़ जिले के पांचों सीटों पर क्या असर पड़ेगा।

दोपहर 2 बजकर 40 मिनट पर पहुंचेगी प्रियंका गांधी

सभापति संदीप शर्मा ने बताया कि प्रियंका गांधी शुक्रवार दोपहर 2:40 पर पुलिस लाइन स्थित ग्राउंड पर हेलीकॉप्टर से पहुंचेगी, जहां से इंदिरा गांधी स्टेडियम में पहुंच कर जनसभा को संबोधित करेंगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी जनसभा को संबोधित करेंगें। सभापति शर्मा ने बताया कि इस जनसभा में चित्तौडगढ़ विधानसभा प्रत्याशी सुरेन्द्रसिंह जाड़ावत, कपासन विधानसभा प्रत्याशी शंकर लाल बैरवा, बड़ीसादड़ी विधानसभ प्रत्याशी बद्रीलाल जाट, निम्बाहेड़ा विधानसभा प्रत्याशी उदयलाल आंजना, बेगूं विधानसभा प्रत्याशी राजेंद्र सिंह बिधुड़ी सहित करीब 50 हजार लोगो के पहुंचने की संभावना है।

5 करोड़ घरों तक पहुंचेगा राम मंदिर का अक्षत:BJP और विश्व हिंदू परिषद के 7.5 लाख कार्यकर्ता, 15 करोड़ हिंदुओं तक पहुंचाएंगे श्रीराम का निमंत्रण

रुद्रांश दर्पण-अयोध्या

2024 लोकसभा चुनाव से पहले अयोध्या में भव्य राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां जोर-जोर से हैं। उत्तर प्रदेश के 15 करोड़ लोगों को इसका साक्षी को बनाने के लिए बीजेपी और विश्व हिंदू परिषद ने मेगा प्लान तैयार किया है। उत्तर प्रदेश के 75 जनपदों में लगभग 7.5 लाख से भी ज्यादा कार्यकर्ता 5 करोड़ से ज्यादा हिंदू घरों में नवनिर्मित श्रीराम मंदिर का पूजित अक्षत पहुंचाएंगे।

यह पूजित अक्षत कलश में रखकर उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में भेजा गया है। इन्हें घरों तक पहुंचाने का काम बीजेपी कार्यकर्ता, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकताओं को सौंपी गई है। भारतीय जनता पार्टी और विश्व हिंदू परिषद राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम को यादगार बनाना चाहते हैं।

रामनामी धागे में पिराने की तैयारी

2024 लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी का यह मेगा प्लान है। जिसके तहत उत्तर प्रदेश के सभी हिंदू परिवार को रामनामी धागे में पिरोने की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश के सभी मंत्रियों, सांसदों और विधायकों को दी गई है। प्रत्येक विधायक को अपने विधानसभा क्षेत्र में आने वाले सभी हिंदू परिवारों के घर तक पहुंचना है। उन्हें अक्षत के जरिए निमंत्रण देने का काम करना है। यह काम सांसद-विधायक 1 जनवरी से शुरू कर-के 15 जनवरी तक पूरा करेंगे। यूपी के सभी मंदिरों में होगा सीधा प्रसारण

दरअसल, भगवान श्रीराम मंदिर के

अक्षत को पहले प्रत्येक जनपद मुख्यालय में स्थित मंदिरों में रखा जाएगा। उसके बाद वहां से प्रत्येक ग्राम सभा और ग्राम पंचायत में भी इसको भेजा जाएगा। फिर गांव के सभी घरों में इस अक्षत को निमंत्रण के तौर पर वितरित किया जाएगा। 22 जनवरी 2024 को श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में अपने-अपने घरों एवं गांव के मंदिरों में इसका सीधा प्रसारण भी देखेंगे।

प्राण प्रतिष्ठा से 1 घंटे पहले भजन कीर्तन होंगे, दिवाली मनेगी-

विश्व हिंदू परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता लोगों को बताएंगे कि भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा से लगभग 1 घंटा पहले ही आप लोग अपने घरों में भजन कीर्तन शुरू कर दें। सायंकाल में अपने-अपने घरों में कम से कम पांच दीप को जलाकर दीपावली की तरह ही राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन को मनाएं। अयोध्या को वर्ल्ड क्लास सिटी बनाने की तैयारी

धार्मिक नजरिए से देखें तो अयोध्या प्रदेश का ही भी बल्कि पूरे देश में हिंदुओं का सबसे बड़ा धार्मिक केंद्रों में से एक है। यही कारण है कि योगी सरकार हर बार अपने बजट में सबसे ज्यादा बजट अयोध्या के विकास के लिए मुहैया कराती है। इस वक़्त भी अयोध्या में केंद्र और राज्य सरकार की कुल 32000 करोड़ की परियोजनाएं चल रही हैं।

अयोध्या रेलवे स्टेशन का बजट 150 करोड़ से बढ़ाकर 230 करोड़ कर दिया गया है। अप्रैल तक अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी तैयार हो जाएगा। अयोध्या में धार्मिक टूरिज्म बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार की तरफ से 20 से ज्यादा हॉस्पिटैलिटी कंपनियों को अनुमति दी गई है। जिसमें ताज होटल समेत 26 बड़े ग्रुप शामिल हैं। जिनकों वर्ल्ड क्लास होटल खोलने के लिए शासन ने अनुमति दे दी है।

अयोध्या में नई टाउनशिप भी डेवलप करने की तैयारी--

योगी सरकार पर्यटन की दृष्टि से अयोध्या के चौतरफा विकास में जुटी हुई है। यही कारण है कि नई टाउनशिप नीति के तहत अयोध्या को डेवलप करने की भी सरकार की तैयारी है। इस डेवलपमेंट में ना सिर्फ अयोध्या बल्कि अयोध्या अयोध्या और बस्ती की सीमा से सटे कुछ गांव को भी डेवलप करने और अयोध्या में शामिल कराने की तैयारी है। यही कारण है की मुख्यमंत्री ने भी कई बार कहा है कि अयोध्या को दुनिया का सबसे सुंदर शहर बनाएंगे।

अयोध्या के सहारे बढ़ेगा धार्मिक टूरिज्म--

अब योगी सरकार अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण होने के बाद देश के सबसे ज्यादा श्रद्धालुओं को अयोध्या में लाना चाहती है। जानकारों की माने तो यहां हर महीने एक करोड़ श्रद्धालु आने का अनुमान भी है। यानी साल में तकरीबन 12 करोड़ श्रद्धालु अयोध्या में मंदिर निर्माण के बाद पहुंचेंगे।

इसी तरह अयोध्या को दुनिया का सबसे बड़ा हिंदू आस्था के केंद्र बनाने की तैयारी है। वर्ल्ड क्लास सुविधा अयोध्या में डेवलप की जा रही है। क्रूज चलाने की भी तैयारी है और यहां जो भी पर्यटक आए उन्हें किसी भी तरह की असुविधा न होने पाए इसके लिए लगातार काम किया जा रहा है।

यूपी की राजनीति में अयोध्या केंद्र बिंदू--

अयोध्या हमेशा से ही राजनीतिक बिंदू का केंद्र रहा है और यही कारण रहा है कि बाबरी विवादित ढांचा विध्वंस के बाद से प्रदेश में अलग-अलग पार्टियों की सरकारें रही लेकिन अयोध्या जस का तस रहा। सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद राम मंदिर निर्माण का काम भी तेजी से हुआ और अब अगले साल 2024 लोकसभा चुनाव से पहले योगी सरकार राम मंदिर का उद्घाटन कर देगी। इसको राजनीतिक दृष्टि से बीजेपी का सबसे बड़ा मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा है।

राजघाट से नमो घाट तक छेड़ी स्वच्छता की मुहिम, नमामि गंगे व गंगा टास्क फोर्स का स्वच्छता अभियान

रुद्रांश दर्पण-वाराणसी

लोकमानस से जुड़े आस्था के पर्व सूर्य षष्ठी (डाला छठ) के पूर्व शुक्रवार को नमामि गंगे व 137 सी ई टी एफ बटालियन (प्रादेशिक सेना) 39 गोरखा राइफल गंगा टास्क फोर्स के जवानों ने संयुक्त अभियान चलाकर राज घाट से नमो घाट के गंगा तट की सफाई के साथ जागरूकता की। स्वच्छता अभियान के तहत घाटों पर जगह- जगह फेंके गए कूड़े कचरे को भी नमामि गंगे के सदस्यों व जवानों ने कूड़ेदान तक पहुंचाया। श्रमदान के बाद वहां उपस्थित पर्यटकों और आम लोगों को गंगा और घाटों को स्वच्छ रखने की शपथ भी दिलाई गई । वियतनाम से आए पर्यटक और युवा बच्चों ने भी स्वच्छता में रुचि दिखाई । गंगा मैया की जय के बीच सभी ने 'सबका साथ हो, गंगा साफ हो' के नारे संग प्रत्येक काशीवासी को गंगा स्वच्छता से जुड़ने की अपील की । नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला ने कहा कि छठ पूजा का महत्व केवल धार्मिक अथवा लोकजीवन तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे पर्यावरण और जीवनशैली के बीच के संबंधों को भी रेखांकित करता है। लोकपर्व छठ प्रकृति की अराधना का महापर्व है, जो पर्यावरण को स्वच्छ बनाने का संदेश देता है। आयोजन में प्रमुख रूप से नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला, 137 सी ई टी एफ बटालियन (प्रादेशिक सेना) के सूबेदार शिवेन्द सिंह, सूबेदार पी. सी, खेदर और उनके जवान , महानगर सहसंयोजक सीमा चौधरी व सैकड़ो की संख्या में नागरिक शामिल रहे ।

नए साल में मिलेगी नई सीटी स्कैन मशीन की सौगात

रुद्रांश दर्पण-झांसी।

महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में नए साल में सीटी स्कैन मशीन की सौगात मिल जाएगी।

मशीन के लिए जगह उपलब्ध करा दी गई है। यहां पर बिजली की लाइन भी जल्द डालने का काम शुरू हो जाएगा।

मेडिकल कॉलेज में सीटी स्कैन मशीन दस साल से ज्यादा पुरानी हो चुकी है। ऐसे में ये मशीन अक्सर खराब रहती है। मरीजों को जांच कराने के लिए निजी सेंटर जाना पड़ता है। शासन ने यहां पर नई मशीन लगाने की मंजूरी दे दी है। मगर एटोमिक एनर्जी रेगुलेट्री बोर्ड यानी एईआरबी के मानकों के मुताबिक जगह कम पड़ रही थी। अब रेडियोलॉजी बिल्डिंग में खराब पड़ी डिजिटल एक्सरे मशीन को हटवाकर जगह नई सीटी स्कैन मशीन स्थापित करने के लिए कॉलेज प्रशासन द्वारा जगह उपलब्ध करा दी गई है। मशीन हटाने से पहले कॉलेज में एईआरबी के सेफ्टी ऑफिसर डॉ. सचिन माहुर से अनुमति ली गई। प्राचार्य डॉ. एनएस सेंगर ने बताया कि सीटी स्कैन मशीन के लिए बिजली की लाइन डालने का भी जल्द शुरू हो जाएगा। 31 दिसंबर तक मशीन स्थापित हो जाएगी। नए साल से नई मशीन से जांचें होने लगेंगी।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला का किया उद्घाटन :योगी बोले- बीमारू राज्य से बाहर निकला यूपी, एक्सपोर्ट निर्यात हुआ तीन गुना

रुद्रांश दर्पण-लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित 42वें इंडियन इंटरनेशनल ट्रेड फेयर- 2023 में पहुंचकर प्रदेश के कारीगरों द्वारा लगाये गये स्टॉलों का अवलोकन किया। साथ ही शिल्पकारों और एग्जिबिटर्स का उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां उत्तर प्रदेश मंडप का उद्घाटन किया। उन्होंने व्यापार मेले में उत्तर प्रदेश पवेलियन के ओडीओपी मार्ट में हस्त निर्मित उत्पादों के विभिन्न स्टॉल्स का अवलोकन किया और कारीगरों एवं हस्तशिल्पियों से संवाद किया। उत्तर प्रदेश पवेलियन में प्रदेश के सभी जनपदों के ओडीओपी उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है।

ट्रेड शो में प्रदर्शित की जा रही यूपी की विकास गाथा

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश ने इंटरनेशनल ट्रेड फेयर के जरिए पिछले पांच-छह वर्षों में बहुत अच्छा कार्य किया है। ऐसी उम्मीद है कि लगातार दूसरे वर्ष भी यूपी के खाते में गोल्डेन ट्रॉफी आ सकती है। सीएम योगी ने बताया कि प्रधानमंत्री के विजन वोकल फॉर लोकल में यूपी का ओडीओपी पूरे प्रदेश को एक्सपोर्ट हब के रूप में स्थापित कर रहा है। इससे लाखों नौजवानों के लिए नौकरी और रोजगार के द्वार खुले हैं। सीएम योगी ने बताया कि ट्रेड फेयर में मौजूद यूपी पॉवेलियन में डऊडढ के साथ-साथ नये भारत के नये उत्तर प्रदेश में इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए क्या हो रहा है, उसे भी शोकेस करने का प्रयास हुआ है। साथ ही विभिन्न डेवलपमेंट अथॉरिटी के द्वारा यूपी का कैसे कायाकल्प किया गया है, इसे भी ट्रेड फेयर के माध्यम से प्रस्तुत करने का प्रयास हुआ है। यूपी में पिछले 6 वर्ष में बीमारू राज्य से उबरने में सफलता प्राप्त की है। आज रेवेन्यू सरप्लस स्टेट के रूप में इसकी पहचान हो रही है। यूपी में औद्योगिकीकरण के लिए एक नया माहौल बना है।

यूपी का एक्सपोर्ट हुआ तीन गुना

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश कारीगरी के लिए बहुत मशहूर है। प्रदेश में 96 लाख एमएसएमई का बड़ा क्लस्टर क्रियाशील है। उन्होंने बताया कि कुछ समय पहले ही उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन हुआ था। तब वहां 70 हजार से भी अधिक देसी-विदेशी खरीदार आए थे। ओडीओपी के माध्यम से प्रत्येक जिले की पहचान वाले उत्पाद को अंतरराष्ट्रीय मार्केट में निर्यात किए जाने पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। आज उत्तर प्रदेश का एक्सपोर्ट 86 करोड़ से बढ़कर 1.74 लाख करोड़ हो गया है, जोकि तीन गुना है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा एवं डिजिटलाइजेशन के माध्यम से उत्तर प्रदेश के प्रोडक्ट देश-विदेश में पॉपुलर हो रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त कर रहे हैं।

म्यांमार से फिर पांच हजार शरणार्थियों का भारत पलायन

भारत का पड़ौसी देश म्यांमार में अस्थिरता का दौर जारी है। मंगलवार को वहां विद्रोही गुट पीपुल्स डिफेंस फोर्सेस ने फिर संघर्ष का एलान करते हुए बगावत कर दी है। जिसके चलते म्यांमार सेना ने भारत सीमा से सटे इलाकों खावमावी और रिहखावदार गांवों पर एयर स्ट्राइक की। इसके चलते भारत की सीमा पार करते हुए म्यांमार के कोई पांच हजार शरणार्थी मिजोरम में घुस आए। दरअसल, म्यांमार से भारत आने वाले शरणार्थियों का सिलसिला पुराना है। अक्सर वहां इस तरह के आंतरिक संघर्ष चलते रहते हैं। विद्रोही गुटों का संघर्ष जब चरम पर पहुंच जाता है तो लोग हिंसा पर उतारू हो जाते हैं। उनके संघर्ष पर विराम लगाने के लिए म्यांमार सेना कड़ी कार्रवाई करती है तो बड़ी संख्या में वहां से पलायन होता है। मिजोरम में शरण लेने वाले म्यांमार के कई हजार लोग चम्फाई जिले के जोखावथार इलाके में रह रहे हैं। जोखावथार इलाके में 4-5 राहत और शरणार्थी शिविर चलाए जा रहे हैं, जिनमें म्यांमार के लगभग 160 परिवार रह रहे हैं। जिला प्रशासन, गैर सरकारी संस्थाएं, यंग मिजो एसोसिएशन (वाईएमए) और ग्राम परिषद की ओर से इन शरणार्थियों की मदद की जा रही है। साथ ही इन्हें इलाके में बने अस्थाई टेंट में जगह दी गई है। शासन-प्रशासन और गैर सरकारी संस्थाओं की ओर से इन्हें खाना, कपड़ा और दवाएं दी जा रही हैं। वाईएमए के वित्तीय सचिव एफ बियाक्टिंसांगा के अनुसार कुछ गैर-सरकारी संगठनों और प्रशासन की ओर से इनकी मदद की जा रही है। बियाक्टिंसांगा ने कहा कि यहां कई सारे बच्चे और महिलाएं हैं। उनके लिए दाल, बच्चों के लिए सेरेलक, दूध और दवाई के साथ-साथ डाइपर, कपड़े और कंबल-गद्दे का इंतजाम वाईएमए की ओर से किया जाता है। पुराने शरणार्थियों की सुख-सुविधाओं का काम अभी पूरा हो नहीं पाता कि नए शरणार्थी प्रवेश कर जाते हैं। बदले हालातों के बीच अगर गंभीरता से देखा जाए तो म्यांमार से होने वाला पलायन एक बड़ी समस्या है और सिलसिला इसी तरह चलता रहा तो स्थिति और भयानक रूप ले सकती है। हाल ही में म्यांमार की पीपुल्स डिफेंस फोर्स ने रविवार शाम को म्यांमार सेना की दो चौकियों पर हमला कर उन पर कब्जा कर लिया था। इसके चलते सेना के 39 जवानों ने मिजोरम में शरण ली और मिजोरम पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। अब तक म्यांमार सेना के 42 जवान आत्मसमर्पण कर चुके हैं। मिजोरम के आईजी लालबियाकथंगा खियांग्ते का यह बयान हैरान कर देने वाला है कि म्यांमार से अक्सर इस तरह का पलायन होता रहता है। इस पर लगाम लगाने के लिए व्यापक स्तर पर सरकारी प्रयास होने चाहिए। सवाल यहां इस बात को लेकर है कि इतने लंबे समय से हो रहे पलायन को लेकर राज्य और केन्द्र सरकार को मिलकर समेकित प्रयास करने चाहिए।

लोकवाणी

ये गिरोह बड़ा चालाक है। जब आप हमास के आतंकवादियों के समर्थन के लिए इरफान पठान की आलोचना करेंगे तो ये कहेगा कि वो मुस्लिम हैं इसीलिए निशाना बनाया जा रहा। जब आप अच्छे प्रदर्शन के लिए मोहम्मद शमी की तारीफ करेंगे तो ये कहेगा कि हमारे मुसलमान को नहीं चाहिए तुम्हारा समर्थन।

अनुपम के. सिंह

मोहम्मद शमी पर मोहब्बत बरस रही है लेकिन देश में कई ऐसे हैं जिनके सीने पर साँप लोट रहे हैं। उनके एजेंडे को 440 वोल्ट का झटका लग गया हैं.. ये भारत है, इसकी मिट्टी से, इसकी परंपरा से.. जिसने भी मुहब्बत की है बदले में मोहब्बत ही पाई है.. इस देश को जिसने आगे रखा, पूरे देश ने उसे सर आँखों पर रखा.. तुम्हारी जाति, मज़हब, खान-पान क्या है इससे किसी को मतलब नहीं। वतन की इज़्ज़त करोगे तो इज़्ज़त मिलेगी.. सीधी-सच्ची बात।

रुबिका लियाकत

व्यक्तित्व

रामकिंकर जी: साक्षात ईश्वरीय वाणी का अवतरण

ओमप्रकाश श्रीवास्तव

भारत में कथावाचकों की प्राचीन परम्परा रही है। आम जनता को धर्म की शिक्षा देने का कार्य भ्रमण करने वाले संन्यासियों, घर-घर जाकर गीतों के माध्यम से कथा सुनाने वाले जोगियों, कथावाचकों और नृत्य,नाटक आदि के माध्यम से भगवान की लीलाएँ प्रदर्शित करने वाले कलाकारों के हाथ में था। स्थानीय पुजारी भी त्योहारों और व्रतों के अवसर पर उनसे संबंधित कथाएँ सुनाते थे।

ऐसे ही कथावाचक परिवार में 1 नवंबर 1924 को जबलपुर में जिस बालक का जन्म हुआ उसे रामकिंकर अर्थात् राम का सेवक नाम दिया गया। बचपन से ही मेधावी रामकिंकर 18 वर्ष की उम्र में अपने पिता के साथ बिलासपुर गये जहाँ उनके पिता की कथा का आयोजन था। संयोग से वहीं उन्हें कथा सुनाने का अवसर मिला और इस 18 वर्षीय युवा की शैली की नवीनता और चिन्तनप्रधान विचारधारा ने श्रोताओं को विस्मय विमुग्ध कर दिया। रामकथा का यह जादू समय के साथ बढ़ता गया और रामकिंकर जी के प्रशंसकों में प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद, अटलविहारी बाजपेयी, महादेवी वर्मा जैसे दिग्गजों के अलावा संत सिरोमणि उड़िया बाबा, हरिबाबा, स्वामी अखंडानन्द और स्वामी तेजोमयानंद जैसी आध्यात्मिक हस्तियाँ शामिल होती गईं। उनके श्रोताओं की संख्या तो लाखों में थी। उन्होंने हजारों प्रवचन दिये जिन पर 100 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। 1999 में उन्हें पद्मभूषण से सम्मानित किया गया।

कथाएँ प्रत्येक धर्म का अनिवार्य अंग हैं। सेमेटिक धर्मों, जिसमें इस्लाम, ईसाई और यहूदी शामिल हैं, की कथाओं में चमत्कार का तत्व बहुतायत से है। यह धर्म अपने अनुयायियों को विश्वास कराते हैं कि वह जो कह रहे हैं वही अंतिम सत्य है। उनके अलावा धर्म का अन्य कोई सच्चा मार्ग संभव ही नहीं है। दूसरी ओर सनातन धर्म, सत्य की ओर संकेत भर करता है और अनुयायी का कार्य है कि वह मार्ग पर चलकर अपनी अनुभूति स्वयं करे। इसलिए इसकी कथाएँ, चमत्कार के माध्यम से किसी पराशक्ति पर विश्वास करने को बाध्य नहीं करतीं वरन् बोध पैदा करती हैं।

रामकिंकर जी को अन्य कथावाचकों से पृथक करने वाली बात को जानने के लिए जरूरी है कि पहले परम सत्य की अनुभूति और उसे अभिव्यक्त करने की पहेली को समझा जाए। संसार में मृत्यु जितनी रहस्यमय है उतना ही जन्म भी, और जीवन भी उससे कम रहस्यमय नहीं है। इसी पहेली को सुलझाने का प्रयास धर्म ने किया है। सनातन महर्षियों ने शरीर, मन, बुद्धि और अहंकार को मिथ्या माना क्योंकि इनका जन्म हुआ है और यह समाप्त भी होते हैं। उन्होंने ध्यान की अवस्था में शरीर से परे जाकर उस तत्व का अनुभव किया जो अनादि-अनन्त है और जिसके कारण जीवन का अस्तित्व है। इसे उन्होंने ब्रह्म कहा । इस अनुभव को बताने के लिए वाणी अर्थात् शरीर का सहारा लेना पड़ेगा जबकि जो अनुभूति है वह शरीर से परे की चीज है। इसलिए वाणी उसे व्यक्त करने में असमर्थ है। यह अनुभव मन्त्र के रूप में वेदों में प्रकट हुए। पर मंत्र भी हर किसी के वश की बात नहीं हैं। इसलिए उसका दार्शनिक विस्तार उपनिषदों में किया गया। रामायण और महाभारत जैसे इतिहास ग्रंथों और पुराणों में कथाओं के माध्यम से परोक्ष रूप से इसी सत्य का बोध कराने का प्रयास किया गया। यदि वेदों का

* जिस परम सत्य का दर्शन करके तुलसीदासजी ने रामचरितमानस की रचना की, रामचरितमानस के माध्यम से रामकिंकरजी ने भी उसी परम सत्य का अनुभव किया । दोनों के मार्ग दो हैं परन्तु लक्ष्य एक ही है।
* अवधूत उड़ियाबाबा कहते थे कि 'रामकिंकर के माध्यम से साक्षात् ईश्वरीय वाणी का अवतरण हो रहा है।'

100 वें जन्मदिवस कार्तिक शुक्ल पंचमी पर विशेष

सामान्य परिचय नहीं होगा तो यह कथा कपोल कल्पनाएँ लगेंगीं और यदि इन कथाओं की जानकारी नहीं होगी तो वेद समझ में नहीं आएंगे। संस्कृत का एक श्लोक है कि पुराण न जानने वाला व्यक्ति यदि वेद अध्ययन करता है तो वेद भी भयाक्रांत हो जाते हैं कि वह उनका न जाने क्या अनर्थ कर देगा।

इस प्रकार, पहले अंतर में सत्य का बोध होता है और फिर दूसरों के लिए उसकी अभिव्यक्ति कथाओं के रूप में होती है। सत्य की अनुभूति असंख्य लोगों को असंख्य तरीके से हुई इसलिए कथाएँ भी असंख्य हैं। यह अनुभूति ही ब्रह्म (राम) का अवतार है और उसकी अभिव्यक्ति की कथा ही रामायण है। इसलिए तुलसीदासजी ने लिखा है- नाना भाँति राम अवतारा । रामायन सत कोटि अपारा।। इसी क्रम में उन्होंने रामचरितमानस की रचना की जो जन-जन का ग्रंथ बन गया। मानस के पाठन, पारायण, वाचन और रामकथा की परम्परा चल पड़ी। परंतु इसकी व्याख्या कथा और लीला के रूप में अधिक होने लगी थी। अध्यात्मिक तत्व विलुप्त सा होने लगा था। इस कमी को पूरा किया रामकिंकरजी ने। जब सत्य को कथा के रूप में कहा जाता है तब उसमें माधुर्य होता है, रस होता है, भक्त के लिए संबल होता है परंतु जब उसे अध्यात्मिक तत्व के रूप में व्यक्त करते हैं तो वह क्लिष्ट और बोझिल हो जाता है। रामकिंकर जी ने कथा और अध्यात्मिक तत्व के बीच अद्भुत संतुलन बनाया। उन्होंने ज्ञान-विज्ञान और भक्ति का समन्वय कर दिया।

उन्होंने राम को ज्ञान, सीता को भक्ति और लक्ष्मण को वैराग्य बताया। इसी प्रकार अन्य पात्रों की व्याख्याएँ कीं परंतु इसमें कहीं भी राम के अवतार, कृपालु, शरणागतवत्सल स्वरूप में कमी नहीं आई। तुलसीदासजी ने मानस में कहा है कि यह रचना विभिन्न पुराण, वेद, रामायण के अलावा कुछ अन्यत्र उपलब्ध रामकथाओं के आधार पर रची गई है। इस अन्यत्र उपलब्ध (क्वचिदअन्यतोह्यपि) तत्व को रामकिंकर जी ने प्रकट कर दिया। उन्होंने मानस के अध्ययन के लिए नवीन दृष्टि और दिशा दी।

उनकी व्याख्या इतनी अद्भुत और विशद् होती थी कि वह एक ही चौपाई पर कई दिनों तक बोल सकते थे और यह कहा जाता था कि क्या तुलसीदास जी ने भी मानस लिखते समय ऐसा सोचा होगा डॉ. सुरेशचंद्र शर्मा जी के अनुसार इसका उत्तर यही है कि जिस परम सत्य का दर्शन करके तुलसीदासजी ने रामचरितमानस की रचना की, रामचरितमानस के माध्यम से रामकिंकरजी ने भी उसी परम सत्य का अनुभव किया । दोनों के मार्ग दो हैं परन्तु लक्ष्य एक ही है। तुलसी परम सत्य से कथा तक गये तो रामकिंकरजी कथा से परम सत्य तक। एक के लिए कथा, सत्य को बताने का तरीका थी तो दूसरे के लिए सत्य तक पहुँचने का मार्ग। तुलसी वेद से पुराणों की यात्रा है तो रामकिंकरजी पुराण से वेद की। दोनों का वर्णन एक ही तत्व का है, तरीका भर पृथक है। इसलिए यह प्रश्न ही नहीं उठता कि तुलसीदास जी ने ऐसा सोचा होगा या नहीं जैसा कि रामकिंकरजी ने कहा।

उन्हें युग तुलसी, मानस मर्मज्ञ, पद्मविभूषण आदि उपाधियाँ मिलीं पर वे सदैव अपने को राम का छोटा सा किंकर (सेवक) ही मानते रहे। वह केवल कथावाचक नहीं बल्कि प्रज्ञापुरुष और सन्त थे। अवधूत उड़ियाबाबा कहते थे कि 'रामकिंकर के माध्यम से साक्षात् ईश्वरीय वाणी का अवतरण हो रहा है।' वह स्वयं इतने विनम्र थे कि उन्होंने अपनी व्याख्याओं का श्रेय नहीं लिया। वह कहते थे कि 'मौलिक कोई वस्तु नहीं होती। दिखाई वही देता है जिसका पहले से अस्तित्व होता है। ईश्वर जिससे जो सेवा लेना चाहते हैं वह वस्तु या ज्ञान उसे दिखा देते हैं।' उनके ज्ञान का स्तर इतना उच्च था कि वह बगैर किसी औपचारिक डिग्री के काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में विजटिंग प्रोफेसर रहे। 9 अगस्त 2002 को वह उसी राम के धाम चले गये जिसका किंकर बनकर वह जीवनभर कथा कहते रहे। उनकी कर्मभूमि अयोध्या में रामायणम आश्रम में समाधि है जहाँ के कण-कण में उनकी उपस्थिति का आभास आज भी होता है।

(लेखक आईएएस अधिकारी एवं धर्म और अध्यात्म के साधक हैं)

चिंतन

मनोरोग की चपेट में दुनिया की एक तिहाई आबादी

ज्ञानेन्द्र रावत

समूची दुनिया में मानसिक रोग से पीड़ित लोगों की तादाद दिनों दिन तेजी से बढ़ रही है। दुनिया के कई अध्ययन इसके सबूत हैं कि मानसिक रोगों से पीड़ित लोगों की संख्या डेढ़ गुना तक बढ़ गयी है। दुनिया के 64 देशों के तकरीब चार लाख लोगों पर किया गया अध्ययन इस तथ्य को प्रमाणित करता है कि दुनिया के एक तिहाई से ज्यादा लोग मानसिक स्वास्थ्य की परेशानियों से ग्रस्त हैं। यह भी कि कोविड महामारी के बाद से लोगों के स्वास्थ्य स्तर में कोई सुधार नहीं हुआ है। हालात गवाह हैं कि मानसिक समस्याओं से जूझ रहा हर तीसरा व्यक्ति अवसाद और एंजाइटी का शिकार है। आत्महत्या का विचार पनपने के पीछे भी यही अहम कारण है। यदि साल 2021 को ही लें तो पता चलता है इस दौरान अकेले भारत में कुल मिला कर 1,64,033 आत्महत्याएं हुईं। इस साल कुल संख्या के मामले में 2020 की तुलना में 7.2 फीसदी की बढ़ोतरी हुई । इसके मुताबिक प्रतिदिन देश में 450 आत्महत्याएं हुईं। यह भयावह स्थिति है। दि मेंटल स्टेट ऑफ द वर्ल्ड रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि लाख कोशिशों के बावजूद आज भी मानसिक स्वास्थ्य मजबूत करने की दिशा में विफलता इस रोग की बढ़ोतरी का अहम कारण है। उस हालत में जबकि हमारे यहां आज 9,800 से ज्यादा मनोचिकित्सक हैं और तकरीब 3,400 क्लीनिकल साइक्लोजिस्ट मौजूद हैं। यह भी कटु सत्य है कि आज देश में 10 साल पहले के मुकाबले कहीं अधिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है लेकिन मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों की कमी को झुठलाया नहीं जा सकता। हकीकत यह है कि यदि आज मेडीकल की पढ़ाई करने वाला हरेक छात्र भी मनोचिकित्सक बन भी जाये तो उस हालत में भी मनोरोग का इलाज करने वाले पर्याप्त चिकित्सक नहीं हो पायेंगे। क्योंकि देश में कुल बीमारियों में मानसिक विकारों का योगदान दोगुना से भी बहुत ज्यादा है। इसमें 1990 के दशक से तकरीब दोगुने से ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज की गयी है। आंकड़ों के हिसाब से देखें तो देश में कुल आबादी के 14 फीसदी से ज्यादा लोग मानसिक रोग के शिकार हैं। इसमें भी 29 साल से 40 की उम्र वाले बहुतायत में मानसिक समस्या के शिकार हैं। इस बारे में यदि मानसिक समस्याओं से पीड़ित लोगों को निःशुल्क परामर्श देने वाले सायरस एण्ड प्रिया वांडरेवाला फाउंडेशन की मानें तो मानसिक समस्याओं को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ रही है और लोग व्हाट्स अप के माध्यम से संवाद कर रहे हैं। करीब 53 फीसदी महिलाएं और 42 फीसदी से ज्यादा पुरुष व्हाट्स अप चैट के माध्यम से अपनी समस्याएं साझा कर रहे हैं। फाउंडेशन की प्रमुख प्रिया हीरानंदानी का इस बारे में कहना है कि हमसे संपर्क करने वाले एक तिहाई लोग एंजाइटी, अवसाद और आत्महत्या की प्रवृत्ति से जूझ रहे हैं। यह चिंताजनक स्थिति है।

यदि मानसिक समस्या के चलते आत्महत्या करने वालों का जायजा लें तो पता चलता है कि दुनिया भर में आत्महत्या के मामले बढ़ना बेहद चिंतनीय है। हर 40 सेकेण्ड में कोई एक आत्महत्या कर रहा है। इसमें पिछले 20 सालों में तेजी से इजाफा हुआ है। बीते साल विश्व में 8 लाख लोगों ने आत्महत्या की जिनमें 1.64 लाख से ज्यादा लोग भारत के थे। गौरतलब है कि जीवन का अंत करने से किसी समस्या का समाधान नहीं होता बल्कि आत्महत्या करने से प्रभावित पूरा परिवार आर्थिक, सामाजिक और भावनात्मक समस्याओं में फंस जाता है। एक आत्महत्या तकरीब 135 लोगों को प्रभावित करती है। यह आवेश में लिया गया कदम है। यदि आप आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के दिमाग को दूसरी दिशा में मोड़ सकते हैं तो आप उसकी जान बचा सकते हैं। इहबास के मनोचिकित्सा विभाग के प्रोफेसर डा. ओम प्रकाश कहते हैं कि हमारे पास ज्यादातर मूड खराब,अवसाद, घबराहट,नींद न आने, तनाव आदि समस्याओं के रोगी आते हैं। उनके अनुसार हम आत्महत्या के मिथक और बचाव को हैल्पलाइन टेली मानस के जरिये लोगों को जागरूक कर रहे हैं। दिल्ली में हर रोज 50-60 काल हैल्पलाइन पर लोग करते हैं। उसके जरिये हम लैगों की समस्याएं दूर करते हैं। टेली मानस समाज के कमजोर समूहों के साध बुजुर्गों और ग्रामीण समूहों तक अपनी सेवायें पहुंचा रहा है।

इस सच्चाई को नकारा नहीं जा सकता कि मौजूदा हालात में भागमभाग की जिंदगी भी मानसिक बीमारियों की अहम वजह है। इससे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। लेकिन इसमें सबसे दुखदायी बात यह है कि लोग इसके बावजूद भी मनोचिकित्सक के पास जाना नहीं चाहते। इसमें मानसिक चिकित्सा सुविधाओं की कमी भी एक सबसे बड़ी वजह है। इस संदर्भ में मेंटल हैल्थ फाउंडेशन इंडिया और एम्स के डाक्टरों का प्रयास प्रशंसनीय है। उन्होंने मिलकर एक बेव पोर्टल happyfitindia. mhfindia.org तैयार किया है । इसके माध्यम से लोग खुदबखुद अपने मानसिक स्वास्थ्य का ऑनलाइन परीक्षण कर सकते हैं। इस बारे में एम्स के मनोचिकित्सा विभाग के प्रोफेसर डा0 नंद कुमार कहते हैं कि यह पहल मानसिक बीमारियों से बचाव और मानसिक स्वास्थ्य ठीक रखने में मददगार साबित होगी। इस पोर्टल के जरिये तीन मिनट में अपने मानसिक स्वास्थ्य का परीक्षण किया जा सकता है। हर मानसिक परेशानी के इलाज के लिए दवा की जरूरत नहीं होती। बगैर दवा के भी योग,जीवनशैली में बदलाव और ध्यान आदि से भी मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है। यदि पोर्टल पर परामर्श के बाद भी मानसिक परेशानी दूर नहीं होती है तो चिकित्सक का परामर्श लेना चाहिए।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

अंतरराष्ट्रीय छात्र दिवस पर विशेष

आधुनिक युग के नव-निर्माता होते हैं छात्र

डॉ. रमेश ठाकुर

छात्र ही भविष्य की छाया और छत होते हैं। विद्यार्थी जीवन में युवा जो ज्ञान अर्जित करते हैं, राष्ट्र का निर्माण भी उसी से संचालित होता है। इसलिए आज के खास दिन यानी 'इंटरनेशनल स्टूडेंट्स डे' पर उनकी उपलब्धियों को हमें याद करना चाहिए। हालांकि, छात्र जीवन की कठिन यात्राओं को हम सभी पूरा किए होते हैं। इसलिए उस दौर के संघर्ष, चुनौतियों, परेशानियों व तप-तपस्याओं को अच्छे से महसूस कर पाते हैं। निश्चित रूप से स्टूडेंट्स न सिर्फ किसी एक मुल्क, बल्कि समूचे संसार के भविष्य निर्माता होते हैं। बदलते नए युग की संरचना उन्हीं के कांधों पर टिकी है। पढ़-लिखकर छात्र ही छायादार वृक्ष बनते हैं, जिनकी ठंडक में आने वाली पीढ़ी अपना समय गुजारती है और जो आगे चलकर देश और दुनिया का नेतृत्व भी करते हैं। छात्रों के तजुर्बे और ज्ञान पर हर देश का विकास टिका होता है। ताजा उदाहरण चंद्रयान-3 की सफलता है। इसके अलावा चिकित्सकों द्वारा चमत्कारी इलाज हो, आधुनिक युग में होते नित नए-नए आविष्कार हां, ये तमाम कारनामे छात्रों की पूर्व की प्रतिमूर्ती से ही संभव होते हैं।

21 सदी की अगर बात करें तो छात्रों के लिए अब वक्त बदल चुका है। देश-दुनिया की जितनी भी यूनिवर्सिटीज हैं, हर जगह छात्रसंघ के चुनाव होते हैं जिनसे छात्रों के पास बहुत से मौलिक अधिकार प्राप्त हो जाते हैं। अपने मसले वो खुद सुलझा लेते हैं। बावजूद इसके समूची दुनिया में सालाना 17 नवंबर को 'अंतर्राष्ट्रीय छात्र दिवस' मनाया जाता है जिसका मकसद होता है कि छात्रों की उपलब्धियों की सराहना की

जाए और उनके मनोबल को बढ़ाया जाए। आज के खास दिवस को संसार भर के छात्र अपने शिक्षण संस्थानों में विभिन्न तरीकों से पूरे उमंग-उत्साह के साथ मनाते हैं। इस उत्साह में उनके साथ उनके शिक्षक भी शामिल होते हैं।

बहरहाल, असल मायनों में अगर देखें, तो छात्रों का स्वरूप मौजूदा समय में दो भागों में बंटा हुआ है। कह सकते हैं इसमें भेदभाव होने लगा है। हिंदुस्तानी परिवेश की जहां तक बात है, तो हमारे यहां दो श्रेणियों के छात्र होते हैं। अव्वल, सरकारी स्कूलों के, तो दूसरे निजी स्कूलों में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स। दोनों की शिक्षाएं आपस में मेल नहीं खाती। निजी स्कूलों के छात्र तकरीबन अंग्रेजी ही पढ़ते हैं, जिनका एक अलहदा स्टेटस सिंबल होता है। वहीं, सरकारी स्कूलों के अध्ययनरत छात्रों को पिछड़ा माना जाता है। लेकिन, बदलते समय में यहां के छात्रों ने सबकी सोच को बदल डाला है। एपीजे अब्दुल कलाम हों, कल्पना चावला हों या आला दर्जे के वैज्ञानिक, इन्होंने शुरूआती शिक्षा भी सरकारी पाठशालों से ही प्राप्त की। कहते हैं कि हुनर सभी भेदभाव मिटा देता है। ऐसा ही कारनामा अब सरकारी छात्र दिनों दिन कर रहे हैं। कहने को तो शिक्षा स्टूडेंट्स के बीच बहु-संस्कृतिवाद, विविधता और सपोर्ट का जरिया होती है, पर फर्क अब भी बहुत है। इंटरनेशनल छात्र दिवस क्यों मनाया जाता है? इसे भी समझना जरूरी होता है। दरअसल, इस दिवस की हिस्ट्री एक छोटे से मुल्क चेकोस्लोवाकिया की राजधानी प्राग से उत्पन्न हुई थी।

बात सन् 1939 की है। जब, चेकोस्लोवाकिया के कुछ हिस्सों पर नाजियों का जबरन कब्जा हुआ करता था। वो छात्रों की शिक्षा से परहेज करते थे, लेकिन छात्र पढ़ना चाहते थे। तब, प्राग के छात्र और वहां के शिक्षकों ने नाजियों के विरूद्ध एक बड़ा अभियान छेड़ा। उस दौरान नाजियों द्वारा ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई गईं, जिसमें प्रदर्शनकारी एक स्टूडेंट की शहादत भी हुई। प्रदर्शन उसके बाद भी जारी रहा। बल्कि और उग्र हुआ। आज ही के दिन यानी 17 नवंबर, 1939 को नाजी सैनिकों ने लगभग बारह सौ छात्रों को जबरन गिरफ्तार भी किया, जिनमें से नौ छात्रों को फांसी दी गई। इसके बाद विरोध में वहां के सभी शिक्षण संस्थानों को अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया गया। फिर नाजियो ने घुटने टेक दिए, छात्रों की मजबूत एकता के सामने उन्हें झुकना पड़ा, उन्होंने तर्क दिया कि इससे छात्रों का भविष्य बर्बाद हो जाएगा। तभी से उन बहादुर छात्रों के संघर्ष को याद रखने के लिए आज का खास दिवस मनाया जाता है। आज भी जब कहीं स्टूडेंट यूनियन अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद करती हैं, तो प्रशासन को झुकना पड़ता है। हालांकि, अब प्रत्येक विश्वविद्यालयों में छात्र संगठन के चुनाव होते हैं जिसके जरिए वह अपनी मांगें मनवाने में कामयाब हो जाते हैं।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

तीज-त्योहार

सूर्योपासना का लोकरंजित पर्व

मुकेष ऋषि

छठ का प्रादुर्भाव षष्ठी तिथि से हुआ है। भारतीय परंपरा में सूर्य षष्ठी का पर्व सविता अर्थात सूर्य देवता के उपासकों को भौतिक व मानसिक अनुदान-वरदान बांटने वाला अत्यंत फलदायी सुअवसर माना जाता है। ज्योतिष के अनुसार षष्ठी तिथि को खगोलीय परिवर्तन के कारण सूर्य की पराबैगनी किरणें पृथ्वी की सतह पर सामान्य से अधिक मात्रा में आने लगती हैं। ऐसे में मान्यता है कि इस पर्व के अनुष्ठान से सूर्य की पराबैगनी किरणों के हानिकारक प्रभाव से जीवों की रक्षा होती है। हमारे ऋषि आंतरिक चेतना के ही नहीं, अपितु बाह्य प्रकृति के भी मर्मज्ञ थे। इसीलिए उन्होंने सूर्य को अर्घ्य देने का विधान बनाया था। छठ पर्व पर उदय व अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। लोक परंपरा के अनुसार, चार दिवसीय इस आयोजन का शुभारंभ 17 नवंबर से हो रहा है और समापन 20 नवंबर को होगा। चार दिवसीय आयोजन के पहले दिन कार्तिक शुक्ल चतुर्थी को पूरे घर की विशेष रूप से साफ-सफाई कर छठ व्रत स्नान कर 'नहाय-खाय' के रूप में मनाया जाता है। दूसरे दिन कार्तिक शुक्ल पंचमी को व्रतधारी दिनभर का उपवास रखने के बाद शाम को भोजन करते हैं। इसे 'खरना' कहा जाता है। खरना का प्रसाद लेने के लिए आसपास के सभी लोगों को निमंत्रित किया जाता है। इस प्रसाद में गन्ने के रस में बने हुए चावल की खीर के साथ दूध, चावल का पिट्ठा और घी

की विशेष रोटी बनाई जाती है। तीसरे दिन कार्तिक शुक्ल षष्ठी को दिन में छठ प्रसाद बनाया जाता है। प्रसाद में ठेंकुआ, जिसे कुछ क्षेत्रों में टिकरी भी कहते हैं। चढ़ावे के रूप में फल भी छठ प्रसाद में शामिल होते हैं। छठ पूजा का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष इसकी सादगी, पवित्रता और लोकपक्ष है। इस पर्व के लिए न भव्य मंदिरों की जरूरत होती है, न ऐश्वर्ययुक्त मूर्तियों की। बांस निर्मित सूप, टोकरी, मिट्टी के बरतनों, गन्ने का रस, गुड़ चावल और गेहूं जैसी प्राकृतिक वस्तुओं से निर्तित प्रसाद और सुमधुर लोकगीतों से युक्त होकर यह महापर्व लोक जीवन की सोंधी सुगंध बिखेरता है। जन सामान्य द्वारा अपने रीति-रिवाजों के रंगों में गढ़ी गई सहज-सरल उपासना पद्धति इसकी खासियत है, जिसके केंद्र में हैं किसान और ग्रामीण जीवन। इस व्रत के लिए न विशेष धन की आवश्यकता है, न पंडित-पुरोहित की। कार्तिक शुक्लपक्ष की षष्ठी को मनाया जाने वाला छठ पर्व कई मायनों में खास है। बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्र के ग्राम्य अंचलों में गहरी आस्था के साथ मनाया जाने वाला सूर्योपासना का यह लोकपर्व बीते कुछ सालों में समूचे देश ही नहीं, वरन अब देश के बाहर भी अत्यंत लोकप्रिय हो चुका है। माना जाता है कि छठ पर्व मनाने की शुरूआत महाभारत काल में कर्ण ने की थी। महाभारत काल में इसका प्रचलन काफी बढ़ गया था। एक कथा के अनुसार, कर्ण भगवान सूर्य का परम भक्त था। वह प्रतिदिन घंटों कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देता था। सूर्य की कृपा से ही वह महान योद्धा बना था। मान्यता है कि आज भी छठ पर्व के दौरान सूर्यदेव को अर्घ्य दान की वही कर्ण प्रणीत पद्धति ही प्रचलित है।

जनमानस

विराट कीर्तिमान

विराट कोहली के कीर्तिमान के साथ एक नए दौर की शुरुआत हुई है, क्रिकेट के भगवान का रिकॉर्ड भक्त ने तोड़ दिया है हालांकि सचिन तेंदुलकर ने ट्वीट के माध्यम से, ड्रेसिंग रूम की पहली मुलाक़ात का जिक्र करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित जरूर कर दी हैं। परन्तु जिस प्रकार समस्त देश विदेश से शुभकामनाएं प्रेषित की जा रही हैं, लगता नहीं है कि ये कीर्तिमान लम्बे समय तक रह पायेगा, सुखद विषय है कि यह उपलब्धि केवल भारत प्राप्त कर पाया है, परन्तु जल्दी नए अन्य कीर्तिमान भारत के पक्ष में आते जा रहे हैं ऐसा लगभग तय है, क्योंकि भारत के अन्य कई खिलाड़ी रेस में पीछे आ रहे हैं, इससे यही लगता है कि विश्व के लोकप्रिय खेल में भारतवासी सर्वोत्तम प्रदर्शन कर रहे हैं और आगे भी करते

रहेंगे। समस्त देशवासियों की और से विराट की विराट विजय के लिए शुभकामनाएं तो हैं ही साथ में एक नयी उम्मीद भी है कि अब भारत पुराने कीर्तिमान को भी चुनौती देकर आगे बढ़ेगा, आखिर पुराने कीर्तिमान कब तक।

आज एक टूटा है कल दूसरा टूटेगा, परन्तु विशिष्ट यह है कि इसे भारतीय तोड़ रहे हैं, यही कथन 49 शतक के रिकॉर्ड रखने वाले मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर कह रहे हैं कि खुशी का विषय है कि हमारे रिकॉर्ड हम स्वयं तोड़ रहे हैं।

मनोज पुरुषार्थी

मतदान प्रतिशत 85 प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए निर्वाचन विभाग ने तैयार की कार्ययोजना

रुद्रांश दर्पण-सीकर

त्रि-स्तरीय वार रूम से रखेंगे मतदान प्रतिशत पर बारीक नजर, कम मतदान वाले बूथ पर तत्काल रणनीति बना कर करें कार्रवाई - मुख्य निर्वाचन अधिकारी

राजस्थान विधानसभा आम चुनाव-2023 के दौरान औसत मतदान प्रतिशत को 85 प्रतिशत तक बढ़ाने के उद्देश्य से मतदान दिवस 25 नवम्बर पर निर्वाचन विभाग की पहल पर व्यापक स्तर पर स्वीप गतिविधियों का संचालन किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी 52139 मतदान केन्द्रों पर कम से कम 85 प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्वीप के अंतर्गत यूथ चला बूथ और मतदान पूर्व के अंतिम सप्ताह में वोटर चला बूथ अभियान चलाए जाए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी गुप्ता ने विधानसभा आम चुनाव के दौरान मतदान प्रतिशत बढ़ाने और मतदाताओं को प्रेरित करने हेतु स्वीप गतिविधियों के प्रभावी संचालन के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारियों और जिला स्वीप नोडल अधिकारियों, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों सहित जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से विस्तृत दिशा-निर्देश दिए।

गुप्ता ने गुरुवार को शासन सचिवालय में वीसी के माध्यम से निर्देश दिए कि प्रदेश में विधानसभा आम चुनाव में औसत मतदान प्रतिशत 85 प्रतिशत तक बढ़ाने के उद्देश्य से स्वीप कार्ययोजना के अंतर्गत व्यापक स्तर पर मतदाता जागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएं। उन्होंने कहा कि 65 प्रतिशत से कम मतदान वाले 22,365 मतदान केन्द्रों को चिन्हित किया गया है, यहां बूथ स्तर पर समन्वित प्रयास कर मतदाताओं को प्रेरित किया जाएगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान दिवस पर मतदान प्रतिशत के हर दो घण्टे में आंकलन और रणनीति हेतु राज्य, जिला और विधानसभा क्षेत्र पर त्रि-स्तरीय वार रूम संचालित किया जाएगा।

मतदाताओं की सुविधा के लिए रहेंगी समुचित व्यवस्थाएं

उन्होंने कहा कि मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं के बैठने, पीने के पानी, छाया एवं रोशनी की समुचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि मतदाता पहचान पत्र के अलावा मतदान केन्द्र में प्रस्तुत किए जा सकने वाले 12 दस्तावेज का पोस्टर मतदान केन्द्रों के बाहर आवश्यक रूप से लगाया जाए। उन्होंने प्रत्येक मतदाता को मतदाता पर्ची और प्रत्येक परिवार में वोटर गाइड का वितरण समयबद्ध रूप से सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदान दिवस पर चिन्हित मतदान केन्द्रों के बाहर स्थानीय कलाकारों द्वारा मतदाता जागरुकता संबंधी प्रस्तुतियां आयोजित की जाएं।

सेल्फी अपलोड करने पर मिलेगा डिजिटल सर्टिफिकेट

जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं प्रत्येक मतदान केंद्रों पर सेल्फी जोन की स्थापना की जाए तथा सीईओ राजस्थान की वेबसाइट पर सेल्फी अपलोड करने पर मतदाता को मुख्य निर्वाचन अधिकारी की ओर से डिजिटल सर्टिफिकेट जारी किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि वरिष्ठ एवं दिव्यांग मतदाताओं के सहयोग हेतु मतदान केंद्रों पर एनएसएस, स्काउट गाइड, एनसीसी की नियुक्ति की जाये। दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा हेतु मतदान केंद्रों पर साइनबोर्ड चस्पा किया जाए। दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा हेतु मतदान केंद्रों पर सुगम शौचालयों एवं सुगम मतदान हेतु व्हील चेयर की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

टीम प्रति 2 घण्टे के हिसाब से मतदान केन्द्रों के मतदान प्रतिशत का सूक्ष्म निरीक्षण कर मतदान प्रतिशत की रिपोर्ट तैयार करेगी। औसत से कम मतदान वाले मतदान केन्द्रों पर तुरन्त रणनीति बनाकर तत्काल कार्यवाही की जाएगी। जिला वार रूम टीम द्वारा प्रति दो घण्टे में मतदान प्रतिशत की रिपोर्ट से राज्य स्तरीय वार रूम को अवगत कराया जाएगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी महिला कर्मियों द्वारा प्रबंधित मतदान केन्द्र, दिव्यांग कर्मियों द्वारा प्रबंधित मतदान केन्द्र, सभी युवा प्रबंधित मतदान केन्द्र पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के संबंध में समुचित कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने हरित मतदान केन्द्रों और मतदान केन्द्रों की स्थानीय प्रसिद्ध दर्शनीय स्थल, स्थापत्य कला एवं संस्कृति आदि की थीम पर आधारित सज्जा के लिए भी निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि विधानसभा आम चुनाव में मतदाता जागरूकता के संदेशों के प्रचार-प्रसार हेतु जिला स्तर पर संचालित अधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने स्टेट आइकन के रिकार्डेड संदेशों का प्रसारण स्थानीय सिनेमाघरों, स्थानीय केबल टीवी, सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों द्वारा किया जाए। साथ ही निर्वाचन से संबंधित विभिन्न सूचनाएं यथा मतदान तिथि, मतदान समयावधि तथा मतदान केन्द्र पर मतदाताओं हेतु उपलब्ध सुविधाओं का व्यापक प्रचार कराया जाये।

सतरंगी सप्ताह शुरू

रुद्रांश दर्पण-सीकर

हम भी नाचेंगे गाएंगे, वोट डालकर आएंगे' के संदेश के साथ लोक कलाकारों ने की मतदान की अपील

संभागीय आयुक्त, जिला निर्वाचन अधिकारी, महानिरीक्षक और पुलिस अधीक्षक रहे मौजूद

निर्वाचन विभाग के निदेर्शानुसार मतदाता जागरूकता की सघन गतिविधियों का सतरंगी सप्ताह गुरुवार को प्रारंभ हुआ। पहले दिन पहले दिन लोक नृत्यों और लोक अभिव्यक्ति के माध्यम से मतदान का संदेश दिया गया। इसके तहत जिला मुख्यालय से लेकर ग्राम पंचायत विभिन्न कार्यक्रम हुए। रवींद्र रंगमंच परिसर स्थित नवनिर्मित ओपन थियेटर में जिला स्तरीय कार्यक्रम हुआ। इसमें विभिन्न लोक कलाकारों ने लोक नृत्य प्रस्तुत किए। वहीं पारंपरिक वेशभूषा में सजे धजे रोबीलों और मशक वादक ने मतदाताओं का भावभरा अभिनंदन किया। माने खां और दल तथा रंगकर्मी केके रंगा एवं पार्टी द्वारा मतदाता जागृति से जुड़ा नाटक भी प्रस्तुत किए गए।

कार्यक्रम में संभागीय आयुक्त उर्मिला राजोरिया, महानिरीक्षक पुलिस ओमप्रकाश, जिला निर्वाचन अधिकारी भगवती प्रसाद कलाल और पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम मौजूद रहे।

मतदान करने की शपथ दिलाते हुए संभागीय आयुक्त ने कहा -

सभी मतदाता धर्म, भाषा, जाति से ऊपर उठकर लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान करें और अन्य मतदाताओं को भी इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के निदेर्शों के अनुरूप जागरूकता सतरंगी सप्ताह आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य हर व्यक्ति को मतदान से जोड़ना है।

जिला निर्वाचन अधिकारी भगवती प्रसाद कलाल ने कहा कि मतदाताओं को शत प्रतिशत मतदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार सतरंगी सप्ताह का गुरुवार से शुभारंभ किया गया है। इसके तहत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएगी। दर्शकों से एमसीसी की फुल फॉर्म पूछते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि आदर्श आचार संहिता की अनुपालना जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा सुनिश्चित करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य सभी प्रत्याशियों को लेवल प्लेयिंग फील्ड उपलब्ध करवाना है, ताकि निष्पक्ष पारदर्शी तरीके से चुनाव सम्पन्न करवाया जा सके।

जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी और स्वीप प्रभारी नित्या के. ने बताया कि सतरंगी सप्ताह के प्रत्येक कार्यक्रम की थीम, स्लोगन और लक्षित वर्ग निर्धारित की गई है। इसमें स्वीप से जुड़े इक्कीस विभागों की भागीदारी भी रहेगी। उन्होंने बताया कि पहले दिन का थीम का रंग वायलेट और स्लोगन 'हम भी नाचेंगे-गायेंगे, वोट डालकर आएंगे' था। इसी प्रकार दूसरे दिन म्यूजिकल बैंड की सुर लहरियों के माध्यम से कामगार मजदूर, तिहाड़ी मजदूरों को जागरूक किया जाएगा। साथ ही मतदाता शपथ का कार्यक्रम होगा। इस दिन की थीम का रंग इंडिगो तथा स्लोगन 'अंगुली पर निशान राष्ट्र के नाम' निर्धारित किया गया है।

इन कार्यक्रमों से दिया मतदान का संदेश

कार्यक्रम के दौरान माने खां एवं पार्टी ने नुक्कड़ नाटक और कठपुतली के माध्यम से मतदान का संदेश दिया। वहीं अफसान खान ने लोकगीत, असगर खान ने कालबेलिया नृत्य, सोनिया ने भवाई नृत्य, मनोज प्रजापत ने अलगोजा वादन, शौकीन ने मशक वादन तथा आशीष कल्ला ने कच्छी घोड़ी नृत्य के माध्यम से आमजन को 25 नवंबर को मतदान करने की अपील की। वहीं केके रंगा ने भी अपने दल के साथ लघु नाटिका प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने सतरंगी सप्ताह के पोस्टर का विमोचन किया। वहीं, निर्वाचन से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित हुई। विजेताओं को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन संजय पुरोहित ने किया।

इस दौरान प्रशिक्षु आइएएस यक्ष चौधरी, जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) सुरेंद्र सिंह भाटी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक एल.डी. पंवार, पर्यटन अधिकारी पवन शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, स्वीप प्रकोष्ठ सदस्य एवं नागरिक मौजूद रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने पर्यवेक्षकों के साथ देखी ईवीएम

कमिशनिंगमतगणना और मतदान दल रवानगी स्थल का भी किया निरीक्षण

रुद्रांश दर्पण-बीकानेर

जिला निर्वाचन अधिकारी भगवती प्रसाद कलाल ने गुरुवार को पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम और जिले के समस्त विधानसभा क्षेत्रों के सामान्य पर्यवेक्षकों, पुलिस पर्यवेक्षकों के साथ पॉलिटेक्निक कॉलेज में ईवीएम की कमिशनिंग प्रकिया का निरीक्षण किया। सभी पर्यवेक्षकों ने विधानसभा वार बनाए गए स्ट्रांग रूम, डाक मतपत्र संग्रहण केंद्र, विधानसभा वार मतगणना कक्ष, मीडिया केंद्र, पर्यवेक्षक कक्ष सहित अन्य व्यवस्थाएं देखीं। मतदान दल रवानगी स्थल, स्ट्रांग रूम, डिस्पैच रुम मतगणना सहित अन्य व्यवस्थाएं देखीं और सुझाव दिए। इस दौरान सामान्य पर्यवेक्षक राहुल जैन, भूपेश चौधरी, शिव अनंत तायल, सहित पुलिस पर्यवेक्षक तृप्ति भट्ट मौजूद रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने अब तक की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा की और बकाया व्यवस्थाएं समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा का पूरा बंदोबस्त रहे, साथ ही सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से कॉरिडोर पर निगरानी की व्यवस्था भी चाक-चौबंद रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने डूंगर कालेज में बनाए गए डिस्पैच सेंटर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि राजकीय डूंगर महाविद्यालय से श्रीडूंगरगढ़, बीकानेर पूर्व तथा पश्चिम बीकानेर पश्चिम विधानसभा के लिए मतदान दलों की रवानगी की जाएगी। जबकि पॉलिटेक्निक कॉलेज से खाजूवाला, लूणकरणसर, नोखा और कोलायत विधानसभा क्षेत्र के लिए मतदान दल रवाना होंगे। मतगणना स्थल राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज को बनाया गया है।

इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतिभा देवठिया, अतिरिक्त जिला कलक्टर (शहर) जगदीश प्रसाद गौड़, नगर विकास न्यास सचिव मुकेश बारहठ, कोषाधिकारी धीरज जोशी, उपनिदेशक सांख्यिकी सुशील कुमार शर्मा सहित पुलिस और प्रशासन के अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित तरीके से विधानसभा चुनाव सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा की जा रही सम्पूर्ण तैयारियां

रुद्रांश दर्पण-झालावाड़

जिला निर्वाचन अधिकारी विधानसभा चुनाव 2023 के मद्देनजर जिला निर्वाचन अधिकारी (जिला कलक्टर) आलोक रंजन की अध्यक्षता में गुरूवार को प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों के साथ चुनाव की तैयारियों की जानकारी के संबंध में प्रेस वार्ता आयोजित की गई।

प्रेस वार्ता के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार विधानसभा चुनाव को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित तरीके से सम्पन्न कराने के लिए सम्पूर्ण तैयारियां सुनिश्चित कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि इस बार विधानसभा चुनाव 2023 में कई नवाचार किए गए हैं जिसके तहत होम वोटिंग का कार्य जारी है। साथ ही राजकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय के विद्यार्थियों की सहायता से होम वोटिंग के कार्य की रियल टाइम मॉनिटरिंग हेतु एक एप्प भी बनाई गई है।

इसके अतिरिक्त मतदान दलों की रवानगी के दिन उनके बैठने की व्यवस्था, अल्पाहार, परिवहन एवं मतदान केन्द्रों पर सभी आवश्यक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। उन्होंने बताया कि मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं के लिए पानी, शौचालय, छाया एवं बैठने की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उन्होंने

बताया कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक-एक मॉडल मतदान केन्द्र भी बनाया जा रहा है जहां आर्कषक सजावट, हरियाली एवं प्रसिद्ध स्थलों के फ्लेक्स लगाने के साथ-साथ प्रत्येक मतदाता के लिए बैठने हेतु उचित व्यवस्था भी होगी।

इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी नरेश कुमार मालव ने चुनाव संबंधी विभिन्न जानकारियां उपलब्ध कराते हुए बताया कि जिले में कुल 1136 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं जिनमें 1131 मुख्य एवं 5 सहायक मतदान केन्द्र हैं। जिन पर जिले के कुल 10 लाख 75 हजार 982 मतदाता अपना वोट डालेंगे। उन्होंने बताया कि चारों विधानसभा क्षेत्रों में कुल 23 प्रत्याशी हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रत्याशी की खर्च सीमा 40 लाख तय की गई है। प्रत्याशियों द्वारा किए जा रहे चुनावी खर्चों पर नियमित रूप से एफएसटी, एसएसटी एवं वीएसटी टीमों द्वारा निगरानी रखी जा रही है।

प्रेस वार्ता के दौरान स्वीप प्रभारी एवं जिला परिषद् के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नरेन्द्र सिंह पुरोहित ने बताया कि जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों से होम वोटिंग के लिए कुल 1456 आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे। 14 नवम्बर से होम वोटिंग का कार्य जारी है। इसके अतिरिक्त मतदान दलों के कार्मिकों एवं आवश्यक सेवाओं के कार्मिकों के लिए भी पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान करने की व्यवस्था की गई है।

सतरंगी सप्ताह के पोस्टर का किया विमोचन

विधानसभा चुनाव 2023 में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से जिले में स्वीप अभियान के तहत 16 से 22 नवम्बर तक सतरंगी सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है जिसके पोस्टर का विमोचन गुरूवार को किया गया। स्वीप प्रभारी ने बताया कि विभिन्न वर्गों के मतदाताओं को जागरूक करने के लिए सतरंगी सप्ताह के तहत सातों दिन अलग-अलग कलर थीम व नारों पर आधारित विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इस दौरान स्वीप सहप्रभारी जीतमल नागर, डाक मतपत्र प्रकोष्ठ सह प्रभारी के.एम. वर्मा सहित प्रिन्ट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सामान्य पर्यवेक्षकों ने मतदान दलों के द्वितीय प्रशिक्षण का किया निरीक्षण

रुद्रांश दर्पण-बाड़मेर

निर्वाचन आयोग के समस्त दिशा-निर्देशों से अवगत कराएं: मिश्रा

मतदान दलों में शामिल समस्त कार्मिकों को निर्वाचन आयोग के समस्त दिशा-निर्देशों एवं निर्वाचन प्रक्रिया की गहनता से जानकारी दी जाए। ताकि विधानसभा चुनाव को संपादित करवाने में किसी तरह की दिक्कत नहीं आए। सामान्य पर्यवेक्षक आईएएस डॉ.वेद पति मिश्रा ने मतदान दलों के द्वितीय प्रशिक्षण के दौरान मास्टर टेनर्स को निर्देशित करते हुए यह बात कही।

सामान्य पर्यवेक्षक डा. वेद पति मिश्रा ने कहा कि प्रशिक्षण सत्र के दौरान चुनाव आयोग के दिशा निर्देशों एवं नवीन प्रावधानों के बारे में विस्तार से बताया जाए। ताकि निष्पक्ष रूप से चुनाव संपादित करवाने में किसी तरह की दिक्कत नहीं हो। उन्होंने कहा कि समस्त अधिकारी एवं कार्मिक विधानसभा चुनाव की

जिम्मेदारी को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने के लिए चुनाव आयोग के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करें। उन्होंने चुनाव आयोग के निदेर्शों का अध्ययन कर प्रशिक्षण के दौरान अपनी शंकाओं का समाधान करने के निर्देश दिए। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से विधानसभा चुनाव 2023 के मद्देनजर नियुक्त सामान्य पर्यवेक्षक आईएएस डॉ. वेद पति मिश्रा, आईएएस श्रीमती वृष्टि दास, आईएएस पंकज, आईएएस श्रीमती शमिष्ठा दास एवं आईएएस पंकज जैन ने निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त विधानसभा चुनाव 2023 संपादित करवाने के लिए राजकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय में आयोजित मतदान कर्मियों का द्वितीय प्रशिक्षण का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने राजकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय में डाक मतपत्र सुविधा केन्द्र का भी निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शिवपाल जाट, धोरीमन्ना उपखंड अधिकारी लाखाराम बाना, बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक राजीव सुथार समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

रायपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सर्वेश्वर भुरे ने जिले के सभी मतदाताओं से विधानसभा निर्वाचन में अपना-अपना वोट अनिवार्यतः डालने की अपील की है। छत्तीसगढ़ विधानसभा सदस्यों के निर्वाचन के लिए 17 नवंबर 2023 दिन शुक्रवार को सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान केंद्रों में वोट डाले जायेंगे।

रायपुर। हिंदुस्तान के इतिहास में पहली बार एक विधानसभा की पूरी कमान महिलाओं के हाथ में। रायपुर उत्तर विधानसभा में मतदान कराने की जिम्मेदारी पूरी तरह से महिलाओं के हाथ में, सारे बूथों में महिला अधिकारी संभाल रही जिम्मा। मतदान केंद्रों में हजार महिलाएं कराएंगी मतदान, सुरक्षा से लेकर मतदान तक सारी जिम्मेदारी महिलाओं के जिम्मे।

रायपुर। जिले की सातों विधानसभाओं में चुनाव कराने मतदान दल आज सुबह से ही रवाना हो गये है। जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे सुबह से ही बीटीआई ग्राउंड के सामग्री वितरण केन्द्र पर दल बल के साथ मौजूद रहे। जिले में आज 17 नवम्बर को सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक वोटिंग होगी। निष्पक्ष और सफल मतदान के लिए कलेक्टर ने दी शुभकामनाएं

18 से 30 नवम्बर तक किया जाएगा केशकाल घाट में मरम्मत का कार्य

सड़क मरम्मत तक भारी वाहनों का वैकल्पिक मार्ग से होगा आवागमन

कोंडागांव । राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 पर स्थित केशकाल घाट में सड़कों की मरम्मत हेतु लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग जगदलपुर के द्वारा बी.टी. पेंच एवं मरम्मत कार्य 18 नवम्बर से 30 नवम्बर के मध्य किया जावेगा। इस अवधि के दौरान केशकाल घाट में पैच रिपेयर कार्य हेतु यात्री बसों एवं छोटी चार पहिया वाहनों को छोड़कर केशकाल घाट में मालवाहक वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित किया गया है। मालवाहकों के लिए वैकल्पिक मार्ग के रूप में रायपुर जाने के लिये केशकाल के विश्रामपुरी चौक से व्हाया विश्रामपुरी, बोराई, सिहावा नगरी होते हुए धमतरी एवं रायपुर पहुंचा जा सकता है। वहीं कोण्डागांव एवं जगदलपुर को जाने के लिए कांकेर जिले के माकडी ढाबा के पास परिवर्तित मार्ग से होते हुए भानुप्रतापपुर, अंतागढ़ एवं नारायणपुर के रास्ते कोण्डागांव पहुंचा जा सकेगा।

उमरिया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी बुध्देश कुमार वैद्य, सीईओ जिला पंचायत तथा पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू ने उमरिया नगर, चंदिया तथा अखडार के मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया तथा मतदान दलों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली, उन्होंने मतदान दलों की हौसला अफ़्ज़ाई करते हुए कहा आप सभी निष्पक्ष होकर अपना दायित्व निभायें, जिससे स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन सम्पन्न हो सके, इस दौरान आपने महिलाओं व्दारा संचालित पिंक बूथों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सहायक आयुक्त अखिलेश पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर मीनाक्षी इंग ले, मुख्य नगर पालिका अधिकारी किशन सिंह भी साथ थे। कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, सीईओ जिला पंचायत ने मतदान केंद्रों में पहुँच कर मतदान दलो से ली कुशल क्षेम।

श्योपुर-विजयपुर विस चुनाव : 656 केंद्रों पर 5 लाख 13 हजार 128 मतदाता करेंगे मतदान

मतदान आज,सभी व्यवस्थाएं चॉक-चौबंद, सुबह 07 बजे से डलेगे वोट

श्योपुर। आज शुक्रवार को सम्पन्न होने वाले विधान सभा चुनाव के मतदान कार्यक्रम में जिले की श्योपुर व विजयपुर विधानसभा के मतदाता अपने जनप्रतिनिधी का चुनाव कर परिणाम ईव्हीएम मशीनों में बंद कर देंगे। आगामी 03 दिसम्बर तक बस उन पर चकल्लसों का दौर जारी बना रहेगा। जिले की श्योपुर व विजयपुर विधानसभा में आज 656 मतदान केंद्रों पर 5 लाख 13 हजार 128 मतदाता ईव्हीएम का बटन दबाकर अपने क्षेत्र से विधायक चुनेंगे। निर्वाचन आयोग द्वारा इसकी सारी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं,मतदानकर्मी ईव्हीएम मशीन और सुरक्षा व्यवस्था के साथ मतदान केंद्रों के लिए रवाना हो गए हैं। बता दें कि श्योपुर और विजयपुर विधानसभा की सीटों पर चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित हो सके इसके लिए निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर संजय कुमार द्वारा सभी मतदान केन्द्रों पर सीसीटीव्ही कैमरे से निगरानी रखने विशेष नियंत्रण कक्ष बनाया है । साथ ही पुलिस कप्तान डॉ रायसिह नरवरिया द्वारा चुनाव में सुरक्षा की हृष्टि से सुरक्षाकर्मियों की तैनाती जिले भर के मतदान केंद्रों पर की गई है। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन का विशेष फोकस 95 अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों पर रहेगा।

उल्लेखनीय है कि जिले की श्योपुर एवं विजयपुर विधानसभा क्षेत्र में 656 मतदान केन्द्रो पर 5 लाख 13 हजार 128 मतदाता अपना वोट डालेगे। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदान सुबह 07 बजे से प्रारंभ होगा। श्योपुर विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 02 लाख 59 हजार 424 है, जिसमें पुरूष मतदाताओं की संख्या 01 लाख 33 हजार 579 तथा महिला मतदाताओं की संख्या 01 लाख 25 हजार 843 है, थर्ड जेण्डर वोटर की संख्या 01 है। विजयपुर विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 02 लाख 53 हजार 704 है, जिसमें पुरूष मतदाताओं की संख्या 01 लाख 33 हजार 260 एवं महिला मतदाताओं की संख्या 01 लाख 20 हजार 443 है, थर्ड जेण्डर वोटर की संख्या 01 है। श्योपुर जिले में 18 से 19 आयुवर्ग के वोटरो की संख्या 23 हजार 921 है, 20 से 29 आयुवर्ग में वोटर संख्या 01 लाख 49 हजार 193 है, 30 से 39 आयुवर्ग में 01 लाख 52 हजार 112 मतदाता है। 40 से 49 आयुवर्ग में 93 हजार 373 वोटर्स है। 50 से 59 आयुवर्ग में मतदाताओं की संख्या 53 हजार 35 है। इसी प्रकार 60 से 69 आयुवर्ग में 27 हजार 854, 70 से 79 आयुवर्ग में 10 हजार 987 तथा 80 प्लस मतदाताओं की संख्या 2504 है। इस प्रकार जिले में कुल 05 लाख 12 हजार 979 सामान्य मतदाता तथा 149 सर्विस वोटर कुल 05 लाख 13 हजार 128 मतदाता है। जिले में 656 मतदात केन्द्र है, जिनमें शहरी क्षेत्र में 92 तथा ग्रामीण क्षेत्र में 564 मतदान केन्द्र है। श्योपुर विधानसभा क्षेत्र में 329 तथा विजयपुर विधानसभा क्षेत्र में 327 मतदान केन्द्र है। श्योपुर में 92 तथा विजयपुर में 131 क्रिटिकल मतदान केन्द्र चिन्हित किये गये है।

68 सेक्टर अधिकारी जिनके वाहनों में लगाये जीपीएस-कलेक्टर

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय कुमार ने बताया कि निर्विघ्न, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान के लिए सभी मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किये गये है। इसके साथ ही मतदान केन्द्रों पर सभी प्रकार की बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई है। दोनो विधानसभा क्षेत्रो में 68 सेक्टर अधिकारी नियुक्त किये गये है, जो अपने-अपने सेक्टर में सतत रूप से भ्रमण करते रहेगे। उनके साथ पुलिस सेक्टर अधिकारी भी भ्रमण पर रहेगे। सेक्टर अधिकारियों के वाहनों में जीपीएस लगाये गये है तथा माईकिग के लिए पीए सिस्टम भी लगाया गया है। सेक्टर अधिकारियों को दो-दो अतिरिक्त ईव्हीएम मशीन भी दी गई है तथा रिजर्व पाटी भी उनके साथ रहेगी, जिससे आवश्यकता पडने पर विकल्प के रूप में उनका उपयोग किया जा सकेगा। इसके साथ ही विजयपुर, वीरपुर, कराहल, श्योपुर एवं बडौदा तहसीलो में भी रिजर्व मतदान दल उपस्थित रखे गये है।

8 कंपनी और अन्य पुलिस बल सुरक्षा के लिए तैनात-एसपी

पुलिस अधीक्षक डॉ राय सिंह नरवरिया ने कहा है कि मतदान केन्द्रो पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किये गये है, 94 चिन्हित मतदान केन्द्रों पर बीएसएफ का हाफ सैक्शन तैनात किया जायेगा, इसके साथ ही अन्य क्रिटिकल मतदान केन्द्रों पर आर्म्ड फोसेर्स के जवान नियुक्त रहेगे। सभी मतदान केन्द्रों पर सशस्त्र पुलिस बल एवं अन्य वर्दीधारी बल मौजूद रहेगा। सुरक्षा के लिए 08 कंपनियां जिले को मिली है तथा गोरखपुर से 500 होमगार्ड का बल भी प्राप्त हुआ है। इसके अलावा जिला पुलिस बल के लगभग 750 अधिकारी एवं पुलिस कमर्चारी ड्यूटी पर लगाये गये है, 150 मोबाइल तथा क्यूआरटी टीमे लगाई गई है। इसके साथ ही विशेष पुलिस अधिकारी भी नियुक्त किये गये है।

चार दिनी छठ पर्व आज से होगा शुरू

संतान की लंबी उम्र,स्वास्थ्य और उज्जवल भविष्य के लिए रखा जाता 36 घंटों तक कठिन व्रत

नहाय-खाय, खरना सहित सूर्य को अर्घ्य देने का है विशेष महत्व

श्योपुर। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि की शुरुआत 18 नवंबर दिन शनिवार को सुबह 09 बजकर 18 मिनट से हो रही है। इस तिथि का समापन अगले दिन 19 नवंबर दिन रविवार को सुबह 07 बजकर 23 मिनट पर होगा। उदयातिथि के अनुसार छठ पूजा 19 नवंबर को है। इसके पूर्व पहला दिन-नहाय खाय आज 17 नवम्बर शुक्रवार को किया जायेगा। खरना का व्रत 18 नवम्बर शनिवार को इस दिन व्रती संध्या काल में मिट्टी के बने चूल्हे पर गंगा जी के पूजन करके गंगाजल से ही खाना बनाती है इस दिन खाने में रोटी के साथ खीर बनता है खीर जो बनता है बिना शक्कर के बनता है इसमें शक्कर नही डाला जाता है गुड डालकर इस खीर को बनाया जाता है। तीसरे दिन 19 नवम्बर 23 दिन रविवार संध्या काल डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है,

रात्रि में गन्ना से कोसी भरा जाता है। वहीं अन्तिम दिन 20 नवम्बर 2023 दिन सोमवार सप्तमी इस दिन उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देते है फिर लोक आस्था का पर्व छठ व्रत समाप्त होता है। सूर्य के पूजन से दैनिक जीवन में बहुत बड़ा बदलाव दिखाई देता है प्रतिदिन उगते सूर्य को जल देने से सेहत भी ठीक रहती हैं। जीवन में जल और सूर्य की महत्व को देखते हुए छठ पर्व पर सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। इसके अलावा सूर्य को जल देने का ज्योतिष महत्व भी माना जाता है। भगवान सूर्य नारायण की कृपा व्यक्ति को तेज व मान-सम्मान की प्राप्ति होती है। हिंदू धर्म में छठ पूजा का विशेष महत्व है। यह पर्व चार दिनों तक चलता है। यह व्रत संतान की लंबी उम्र, उत्तम स्वास्थ्य और उज्जवल भविष्य की कामना के लिए रखा जाता है। यह सबसे कठिन व्रतों में से एक माना जाता है। 36 घंटों तक कठिन नियमों का पालन करते हुए इस व्रत को रख जाता है। छठ पूजा का व्रत रखने वाले लोग चौबीस घंटो से अधिक समय तक निर्जल उपवास रखते हैं। छठ पर्व का मुख्य व्रत षष्ठी तिथि को रखा जाता है, लेकिन यह पर्व चतुर्थी से आरंभ होकर सप्तमी तिथि को प्रातः सूर्योदय के समय अर्घ्य देने के बाद समाप्त होता है।

ढोल नगाडो के साथ हुआ मतदान दलों का स्वागत

श्योपुर। श्योपुर एवं विजयपुर विधानसभा क्षेत्र में मतदान कराने के लिए नियुक्त मतदान दलो का मतदान केन्द्रों पर पहुंचने के अवसर पर ढोल नगाडो के साथ स्वागत करते हुए उन्हें तिलक लगाये एवं माल्यार्पण किया गया। मतदान केन्द्रों पर बीएलओ, आंगनबाडी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं द्वारा मतदान दलो के पहुंचने पर तिलक लगाकर एवं माला पहनाकर उनका स्वागत किया गया। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय श्योपुर स्थित महिला प्रबंधित मतदान केन्द्र क्र. 178 एवं 179 में मतदान दल के पहुंचने पर ढोल नगाडो के साथ मतदान दल की आगवानी की गई तथा तिलक लगाकर एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया। इसी प्रकार नगरपालिका श्योपुर स्थित महिला प्रबंधित मतदान केन्द्र क्र. 157 एवं 158 में भी मतदान दलो के पहुंचने पर स्वागत सत्कार किया गया।